माघ कृष्ण पक्ष -4, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 199 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
22 जनवरी 2026 गुरुवार

आज का मौसम
26.6 अधिकतम
11.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर कांग्रेस की चिंता का कोई औचित्य भी है?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन की ताजपोशी के बाद मप्र के प्रमुख नेताओं के सामूहिक फोटोग्राफ को लेकर कांग्रेस के नेता इन दिनों चुटकियां लेने में मशगूल हैं। तंज इस बात पर कसा जा रहा है कि संचार एवं पूर्वोत्तर मामलों के काबीना मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस फोटो में पीछे खड़े दिख रहे हैं। वैसे तो इस फोटो में मप्र के सोलह साल सीएम रहे और वर्तमान में केंद्र में कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह और प्रहलाद पटेल से लेकर सत्यनारायण जटिया तक पीछे दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल भी पीछे से दूसरी पांत में हैं, लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं की अंतर्चेतना अभी भी ज्योतिरादित्य सिंधिया से ग्रस्त है। बड़ा सवाल यह है कि एक फोटो से किसी के घटते-बढ़ते कद को कैसे नापा जा सकता है? और जो नाप रहे हैं उन्हें बरसों से मैं कांग्रेस में देख रहा हूं। कांग्रेस ने उनको इतने दशकों में क्या दिया इसका अंदाजा हमें भी है और उन्हें स्वयं भी होगा। सिंधिया तो उनके तंज पर कोई टिप्पणी करने से रहे। लेकिन एक पत्रकार के नाते जो मेरी अपनी जानकारी है उसके मुताबिक सिंधिया का कद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगाह में काफी ऊंचा है। अमित शाह, एस जय शंकर, शिवराज सिंह चौहान, राजनाथ सिंह अश्विनी वैष्णन जैसे मंत्रियों के साथ उनका नाम भी है जिन्होंने अपने परफामेंस से देश की दशा - दिशा बदलने और मोदी के सपनों को पंख लगाने में पूरी ताकत झोंक रखी है। संचार मंत्री के नाते उन्होंने विलुप्ति की कगार पर जा रहे बीएसएनएल को खड़ा करने की कोशिश की है। अमेरिका के सबसे बड़े उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक को भारत सरकार की शर्तों पर देश में आने को राजी कराया। क्या यह कांग्रेस की सरकार में मुमकिन होता? यही नहीं, देश की नामी कंपनियों को स्पेक्ट्रम देने के मामले में वह उन कंपनियों से पहले भारत की सरकार के हित को आगे रख रहे हैं। अब मुद्दा यह है कि कांग्रेस में सिंधिया को लेकर स्यापे का सबब क्या है? 2018 का मप्र विधानसभा का चुनाव तो सबको याद है। उनके चेहरे को सामने रखते हुए ही कांग्रेस बहुमत के आंकड़े के पास पहुंची थी। लेकिन उनकी जगह कांग्रेस ने किसको और क्यों सीएम बनाया? दिग्विजय सिंह हाल में खुद कह चुके हैं कि ग्वालियर-चंबल के विकास से जुड़े कुछ मुद्दे थे, जिन पर वह भी सहमत थे। लेकिन कमलनाथ ने हामी भरने के बाद भी वो काम नहीं किए। उल्टा जब सिंधिया ने जनहित के मुद्दों पर सड़क पर उतरने की बात की तो कमलनाथ ने सार्वजनिक तौर पर खीझते हुए कहा कि उतरना चाहें तो उतर जाएं। क्या ऐसा कहकर कांग्रेस ने उनका सम्मान किया था? सिंधिया ने कमलनाथ की चुनौती को मंजूर किया उन्हें ही सडक़ों पर ला दिया । खिसियाए कमलनाथ ने उन्हें गद्दारी के तोहमत से नवाजा। लेकिन, इसी प्रदेश की जनता साबित कर दिया कि न तो वे गद्दार हैं और न उनके साथ भाजपा में जाने वाले मंत्री। 27 उपचुनावों के बाद 2023 के चुनाव में कांग्रेस 2018 के मुकाबले करीब करीब आधी रह गई। लोकसभा में पूरी तरह साफ हो गई। सिंधिया ही क्यों, इंदिराजी और राजीव गांधी जी और सोनिया गांधी के साथ काम कर चुके पचौरी के सम्मान को भी लगातार ठेस पहुंचाई गई, जिसके चलते उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ी। जिन लोगों को ये लगता है कि उनको भाजपा में भी सम्मान नहीं मिल रहा है, वे भूल कर रहे हैं। मोदीजी से लेकर अमित शाह और नितिन नबीन से लेकर हेमंत खंडेलवाल तक उन्हें पूरा सम्मान देते हैं। मेरे विचार से तो हर किसी को अपने सम्मान की रक्षा करने का हक है। इसमें वो कांग्रेसी भी शरीक हैं जो वहां घुटन भरी जिंदगी जीने के बावजूद डटे हुए हैं। अपमान के कड़वे घूंट पीने के बावजूद उनका जमीर नहीं जाग रहा। एक भाजपा है जिसका 75 वर्षीय प्रधानमंत्री 45 साल के अपने नए अध्यक्ष को अपना बॉस कहता है। दूसरी तरफ कांग्रेस का गांधी परिवार 83 साल के अपने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को क्या वैसा सम्मान देता है? नए साल में अपने बारे सोचेगी तो कांग्रेस मजबूत होगी। सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने में कारगर होगी । लोकतान्त्रिक तकाजों को देखते हुए देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी को विरोधियों पर तंज कसने के बजाए अपने अंदर झांकना होगा। तभी जनता आपके बारे में विचार करेगी। कांग्रेस समझ ले कि यह वंशवादी और सामंतवादी राजनीति नहीं, लोकशाही का दौर है जिसमें सभी बराबर हैं।

न्यूज विंडो

सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार बरी

नईदिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी विकासपुरी हिंसा मामले में पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को बरी कर दिया है। इस मामले में दो लोगों की मौत हुई थी। अपने बचाव में सज्जन कुमार ने कहा था कि वह निर्दोष हैं और इस घटना में कभी शामिल नहीं हुए। उन्होंने तर्क दिया कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। कोर्ट का यह फैसला मामले की सुनवाई के बाद आया है, जिसमें दोनों पक्षों को सुना गया। कोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह निर्णय लिया है।

सांसद के भतीजे ने पत्नी को गोली मारकर आत्महत्या की

अहमदाबाद। गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे और सरकारी अधिकारी यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की हत्या करके आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात दंपति के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद यशराज ने पहले पत्नी की हत्या की। फिर 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया। जब डॉक्टर्स ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया तो यशराज ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था।

चाचा-चाची ने युवक को गर्म सरिए से दागा

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में युवक से हैवानियत का मामला सामने आया है। युवक के चाचा-चाची ने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर युवक को न सिर्फ पीटा बल्कि गर्म सरिए से दागा। उसके नाजुक अंगों को भी गर्म सरिया से जलाया। उसके बाद में विरुद्ध नाबालिग बेटी से दुष्कर्म की रिपोर्ट भी लिखवा दी। मामला ऋषिनगर कॉलोनी का है। इस घटना के पीछे जमीन विवाद का मामला सामने आ रहा है। टीआई सियाराम सिंह गुर्जर के अनुसार ऋषिनगर कॉलोनी में रहने वाले 28 वर्षीय युवक की शिकायत पर उसके चाचा-चाची और उनके रिश्तेदार गौरव, सत्यम, रवि के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

आज का कार्टून

सुप्रीम फैसला... बसंत पंचमी और जुमे के लिए दोनों पक्षों को दिया गया समय

भोजशाला में पूजा-नमाज़ दोनों

सुबह से 12 बजे तक और फिर शाम 4 बजे से पूजा कर सकेगा हिंदू पक्ष

दोपहर एक से तीन का समय नमाज़ के लिए, इसके बाद खाली होगा कैंपस

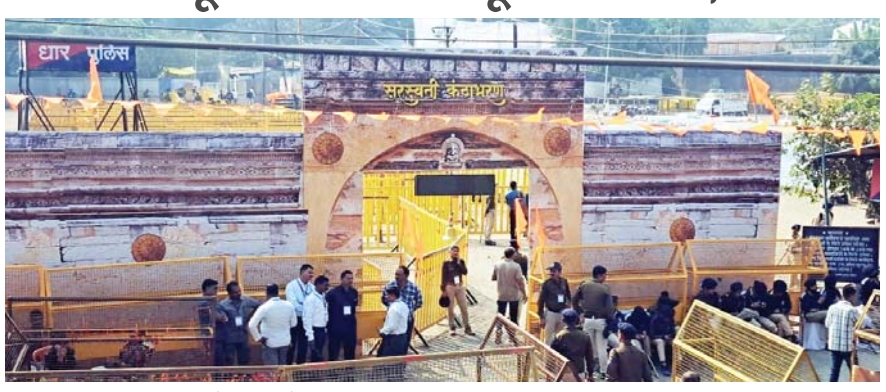

नईदिल्ली/भोपाल, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश के धार की भोजशाला में हिंदू पक्ष से 12 बजे तक पूजा करने के लिए कहा है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष नमाज पढ़ेगा। हिंदू पक्ष शाम 4 बजे से फिर पूजा कर सकेगा। हिंदू पक्ष ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आज फैसला सुनाया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की। हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है। मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष का सुझाव था कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, लेकिन मुस्लिम पक्ष ने कहा कि जुमे की नमाज का वक्त नहीं बदला जा सका।

छावनी में तब्दील पूरा शहर

बसंत पंचमी और जुमा एक ही दिन होने से भोजशाला और धार शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश के कई हिस्सों से पुलिस बल बुलाया है। भोजशाला की सुरक्षा में 13 एसपी, 25 एएसपी, 67 सीएसपी और 107 नगर निरीक्षक स्तर के अधिकारी कमान संभाल रहे हैं। सीआरपीएफ और आरपीएफ की कुल 17 कंपनियां 8 सीआरपीएफ, 9 आरपीएफ तैनात हैं। अश्वारोही दल भी सुबह से ही भोजशाला के मुख्य द्वार पर निगरानी रखेगा।

नो-फ्लाई जोन और तकनीकी निगरानी: भोजशाला के 300 मीटर के दायरे को नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में ड्रोन, पैराग्लाइडिंग या किसी भी प्रकार के यूएवी का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़ा मामला

सहमति से तलाक पर रोक नहीं लगा सकता कोर्ट

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़े एक अहम और नजीर बनने वाले फैसले में आपसी सहमति से हुए 'मुबारात' को पूरी तरह वैध तलाक घोषित किया है। कोर्ट ने साफ कहा कि जब मुस्लिम पति-पत्नी दोनों तलाक पर सहमत हों, तो फैमिली कोर्ट को तकनीकी आधार पर विवाह विच्छेद से इनकार नहीं करना चाहिए। यह मामला फैमिली कोर्ट, मेड़ता के उस आदेश से जुड़ा था, जिसमें पत्नी की तलाक याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी गई थी कि तलाक की प्रक्रिया में दो गवाहों की उपस्थिति सिद्ध नहीं है और क्रूरता के ठोस प्रमाण पेश नहीं किए गए। इस आदेश को पत्नी ने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए कड़ी टिप्पणी की कि यह मामला मियां-बीवी राजी, काजी नहीं मान रहा की स्थिति का जीवंत उदाहरण है। कोर्ट ने कहा कि जब दोनों पक्ष तलाक पर सहमत हैं, तब निचली अदालत का अनावश्यक हस्तक्षेप उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड के आधार पर माना कि पति ने तीन अलग-अलग तुहर (मासिक धर्म के बीच की अवधि) में तलाक का उच्चारण किया था, जिसे पत्नी ने स्वीकार किया। इसके बाद 20 अगस्त 2024 को दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से लिखित तलाक समझौता (मुबारात) किया, जिसमें मेहर, इद्दत अवधि का भरण-पोषण और आजीवन गुजारा भत्ता तय किया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुन्नी मुस्लिम कानून में तलाक के लिए गवाहों की अनिवार्यता नहीं है।

गवाहों की उपस्थिति जरूरी नहीं

एअर इंडिया स्टाफ ने कोरियाई महिला को जबरन गले लगाया, गिरफ्तार

बंगलूरु , एजेंसी

बंगलूरू के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे से एअर इंडिया एयरलाइंस के ग्राउंड स्टाफ को दक्षिण कोरियाई महिला से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण कोरिया की 32 वर्षीय व्यवसायी महिला ने आरोपी पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने उसे तलाशी के नाम पर गलत तरीके से छुआ और गले लगाया। पीड़ित महिला ने बताया कि वह बीते साल नवंबर में पर्यटक वीजा पर भारत आई थी और अपने देश लौट रही थी। बंगलूरू के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर सीआईएसएफ की तलाशी और आव्रजन प्रक्रिया के बाद एक व्यक्ति उसके पास आया। उसने खुद को हवाई अड्डे का कर्मचारी बताया और बोर्डिंग पास चेक किया। आरोपी ने महिला से कहा कि उनके चेक इन बैगेज में कोई समस्या है और दोबारा जांच करनी होगी। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता की तलाशी (मैनुअल फ्रिस्किंग) लेने की बात कही। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे पुरुष वॉशरूम के पास ले गया, जहां उसने मैनुअल तलाशी के नाम पर उसे कई बार गलत तरीके से छुआ। इसके बाद आरोपी ने महिला ने निजी अंगों को भी छुआ। महिला ने जब इस पर आपत्ति जताई तो उसने महिला को गले लगाया और धन्यवाद कहकर उन्हें जाने दिया।

गणतंत्र दिवस के लिए पुलिस ने जारी किया अलर्ट

आतंकी साजिश, संदिग्ध के पोस्टर जारी

नईदिल्ली. एजेंसी

गणतंत्र दिवस समारोह से पहले दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। इस बार दिल्ली पुलिस के अलर्ट पोस्टरों में पहली बार दिल्ली के एक आतंकी की तस्वीर शामिल की गई है। यह आतंकी मोहम्मद रेहान है, जो अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़ा बताया जा रहा है और दिल्ली पुलिस व खुफिया एजेंसियों को वांछित है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, खुफिया एजेंसियों से मिले कई आतंकी खतरे के इनपुट्स को

देखते हुए कर्तव्य पथ और पूरे नई दिल्ली जिले में अत्याधुनिक तकनीक आधारित बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह के लिए बैठने वाले क्षेत्रों के नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं। साथ ही, मेहमानों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा तैनाती के पैटर्न में भी कई अहम बदलाव किए गए हैं।

नई दिल्ली जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त देवेश कुमार महला ने बताया कि कर्तव्य पथ क्षेत्र में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा तैनात किया गया है। पूरे इलाके पर सीसीटीवी कैमरों के व्यापक नेटवर्क के जरिए नजर रखी जा रही है, जिन्हें एडवांस्ड फेसियल पहचान सिस्टम से जोड़ा गया है।

मेट्रो एंकर | **रिपब्लिक डे परेड... सीआरपीएफ दे रहा है सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता का सशक्त संदेश**

पुरुष टीम को लीड कर इतिहास रचेंगी कश्मीर की सिमरन

नईदिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की रहने वाली सीआरपीएफ की 26 वर्षीय सहायक कमांडेंट सिमरन बाला 26 जनवरी को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हो रही हैं। वह अपनी फोर्स की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। यह पहली बार होगा जब इस परेड में सीआरपीएफ के पुरुषों की टुकड़ी को कोई महिला अफसर लीड करेगी। यह इस राष्ट्रीय आयोजन में 140 से अधिक पुरुष कर्मियों की टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। सिमरन का 140 से अधिक पुरुष कर्मियों का नेतृत्व करना भारत के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह देश की सुरक्षा सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। अपनी व्यापक परिचालन क्षमता और विशालता के लिए जानी जाने वाली सीआरपीएफ की औपचारिक परेड में परंपरागत रूप से पुरुष अधिकारी ही नेतृत्व करते रहे हैं। दल कमांडर के रूप में उनकी नियुक्ति संस्थागत परिवर्तन का प्रतीक है और सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता का सशक्त संदेश देती है।

बचपन से देखी गोलीबारी : समरन बाला जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा की रहने वाली हैं। उन्होंने अपने बचपन से ही सीमा पार से गोलीबारी देखी। उनके इसी अनुभव ने उन्हें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के माध्यम से देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। जून 2023 में सिमरन बाला का चयन यूपीएससी से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल परीक्षा (सीएपीएफ) में हुआ। वह यह परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली जम्मू-कश्मीर की एकमात्र महिला बनीं। उन्होंने 151 उत्तीर्ण उम्मीदवारों में अखिल भारतीय रैंक 82 प्राप्त की। सिमरन ने नौशेरा में कक्षा 10 तक की स्कूली शिक्षा पूरी की, जिसके बाद वे उच्च माध्यमिक शिक्षा के लिए जम्मू चली गईं। बाद में उन्होंने गांधीनगर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

नक्सलियों से लिया लोहा

सहायक कमांडेंट परीक्षा पास करने के बाद उन्हें ट्रेनिंग के लिए गुरुग्राम स्थित सीआरपीएफ अकादमी भेजा गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी और जन व्याख्यान विषय में पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अप्रैल 2025 में सीआरपीएफ में शामिल किया गया। उनकी पहली तैनाती छत्तीसगढ़ में 'बस्तरिया' बटालियन में हुई, जहां उन्हें नक्सल विरोधी अभियानों की जिम्मेदारी सौंपी गई। हर साल 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में भारत की सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विविधता की झलक देखने को मिलती है, जब परेड रायसीना हिल से कर्तव्य पथ होते हुए इंडिया गेट के रास्ते लाल किले की ओर बढ़ती है। सीआरपीएफ देश का सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा बल है, जिसके करीब 3.25 लाख कर्मी हैं। इसके प्रमुख कार्यक्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद रोधी अभियान और पूर्वोत्तर में उग्रवाद विरोधी जिम्मेदारियां शामिल हैं।

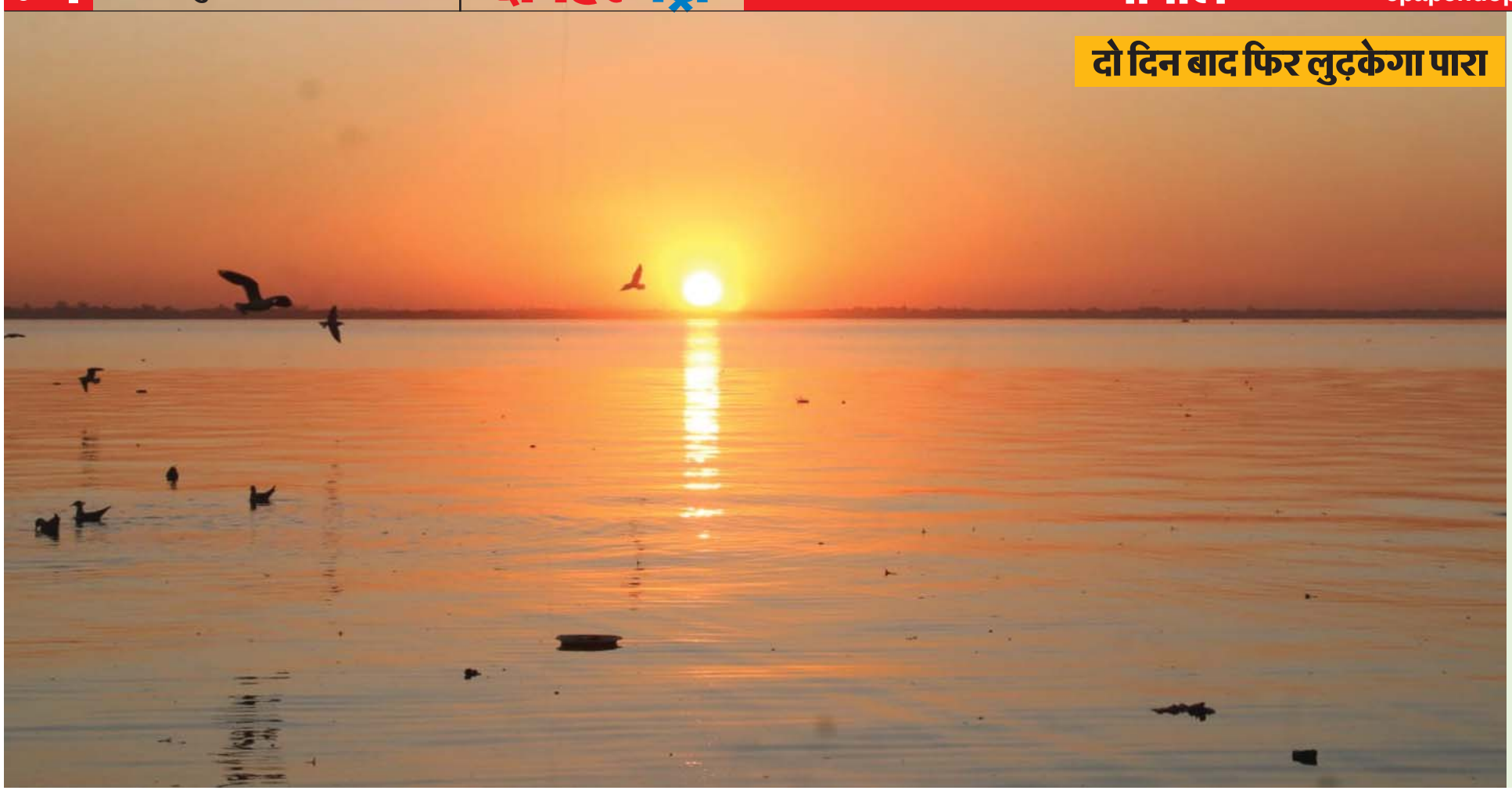

दो दिन बाद फिर लुढ़केगा पारा

कल बारिश होने का अनुमान

भोपाल। प्रदेश में मावठा गिरने और कोहरा छाने के बाद तेज सर्दी पड़ेगी। मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार को उत्तरी हिस्से में बारिश भी होगी। वहीं, 25 जनवरी से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी। बता दें कि पश्चिम-उत्तर भारत और यूपी के ऊपर दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) एक्टिव है। एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर भी है। ये सिस्टम आगे बढ़ रहे हैं। इस वजह से उत्तरप्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में मौसम बदला है। ये सिस्टम 24 जनवरी से प्रदेश में भी असर दिखाएंगे। इस दिन बादल छाने के साथ हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन 23 जनवरी को 7 जिलों में बारिश होने के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार, जब ये सिस्टम आगे बढ़ेंगे तो न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी।

पहली बार मतदाता बने युवाओं की संख्या अधिक

4.38 लाख नाम कटने के बाद 42 हजार नए दावे, 14 फरवरी तक चलेगी नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मतदाता सूची की सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए चल रहा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। हजारों नाम जुड़ने और लाखों नाम कटने के बाद जिले की चुनावी तस्वीर बदलती नजर आ रही है। गुरुवार को नाम जोड़ने की प्रक्रिया बंद होते ही अब अंतिम मतदाता सूची तैयार करने की कवायद शुरू होगी। 23 दिसंबर से 21 जनवरी के बीच वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए 42 हजार मतदाताओं ने फार्म-6 जमा किए हैं। आज नए नाम जोड़ने की अंतिम तिथि है। उसके बाद यह प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी। फाइनल वोटर लिस्ट तैयार करने का काम शुरू होगा।

इस अभियान के दौरान जिले में मृत, शिफ्टेड, अनुपस्थित और डबल एंट्री वाले मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इसके चलते 4 लाख 38 हजार

317 नाम मतदाता सूची से काटे जा चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने के बाद उम्मीद थी कि 1 लाख से अधिक नए आवेदन आएंगे, लेकिन अब तक केवल 42 हजार आवेदन ही मिले हैं। इनमें से 30 हजार से ज्यादा पहली बार मतदाता बने युवा शामिल हैं। एसआइआर के बाद भोपाल की बैरसिया, उत्तर, नरेला, मध्य, दक्षिण-पश्चिम, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा क्षेत्रों में कुल 16 लाख 87 हजार 33 मतदाता शेष बचे हैं। हालांकि जिले के 1 लाख 16 हजार 925 नो-मैपिंग मतदाताओं के मामलों की सुनवाई 14 फरवरी तक जारी रहेगी। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वालों के नाम सूची से हटाए जाएंगे।

फाइनल सूची जल्द होगी प्रकाशित: उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि गुरुवार के बाद नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। उसके बाद फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित करने की तैयारी की जाएगी।

नाम जुड़वाने, हटाने का आज आखिरी दिन

मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए मध्य प्रदेश में 22 साल बाद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया गया। इसमें अलग-अलग श्रेणियों में 42,74,160 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। कांग्रेस ने इसे लेकर हल्ला मचाया और दावा किया कि फर्जी नामों के सूची में होने के कारण ही 2023 के विधानसभा चुनाव में उसकी हार हुई। दावा किया कि सूची के शुद्धीकरण के काम में कोई कसर नहीं रखेगी लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। अभी तक सूची में नाम जुड़वाने और हटवाने के लिए जो आवेदन किए गए, उसमें भाजपा के बूथ लेवल एजेंट कांग्रेस से कहीं आगे हैं। यह काम आज 22 जनवरी तक हो रहा है। अभी तक नाम जोड़ने के लिए 6,57,739 और नाम हटाने के लिए 75,696 आवेदन प्राप्त हुए।

कबाड़खानों की जहरीली हवा पर एनजीटी का शिकंजा

50 से ज्यादा अवैध प्लास्टिक इकाइयों को हटाने के आदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की केंद्रीय पीठ, भोपाल ने शहर के कबाड़खाना क्षेत्र में संचालित अवैध प्लास्टिक रीसाइक्लिंग इकाइयों पर सख्त रुख अपनाया है। ट्रिब्यूनल ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 50 से अधिक इकाइयों को आवासीय क्षेत्रों से बाहर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं। एनजीटी ने माना है कि इन गतिविधियों से गंभीर पर्यावरणीय प्रदूषण और जनस्वास्थ्य को खतरा पैदा हो रहा है।

एनजीटी ने अपने आदेश में कहा कि वर्ष 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू होने के बावजूद शहर में इसका खुलेआम उपयोग जारी है। प्रतिदिन 10 से 12 टन प्लास्टिक कचरा नगर निगम के ट्रांसफर स्टेशनों और आदमपुर छावनी तक पहुंच रहा है। इसके अलावा लगभग इतनी ही मात्रा अनौपचारिक कबाड़ी नेटवर्क के जरिए कबाड़खानों में पहुंचकर अवैध रूप से रीसायकल की जा रही है। ट्रिब्यूनल ने इसे नियमों का खुला उल्लंघन बताया है। एनजीटी ने यह भी गंभीर चिंता जताई कि कबाड़खाना क्षेत्रों में ई-वेस्ट का बड़े पैमाने पर अवैध विघटन हो रहा है। कीमती धातुएं निकालने के लिए ई-वेस्ट को जलाया जाता है, जिससे जहरीली गैसें निकलती हैं और आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। संकरी गलियों में संचालित इन फैक्ट्रियों के आसपास करीब दो लाख की आबादी निवास करती है। रिपोर्ट के अनुसार, यहां सप्ताह में दो बार आग लगने की घटनाएं भी सामने आती हैं।

प्रदूषण स्तर बेहद खतरनाक

अध्ययन में इस क्षेत्र में पीएम-10 का स्तर 225 तक दर्ज किया गया है, जो इसे शहर के सबसे प्रदूषित इलाकों में शामिल करता है। एनजीटी ने मल्टी लेयर्ड प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक के बढ़ते खतरे पर भी चिंता जताई है और इस पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

चार सप्ताह में रिपोर्ट तलब

बताया गया कि ट्रिब्यूनल ने मध्यप्रदेश सरकार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और भोपाल नगर निगम के साथ-साथ इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा और उज्जैन नगर निगमों को चार सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च 2026 को होगी।

शहर में पांच ब्लैक स्पॉट पर अगले महीने होगा से सुधार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ट्रैफिक सुधार के लिए प्रस्तावित 27 में से 5 चौराहा-तिराहा पर फरवरी के पहले हफ्ते में शुरू हो जाएगा। पीडब्ल्यूडी इन पर करीब 6 करोड़ रुपए खर्च कर ब्लैक स्पॉट सुधारने का काम करेगा। इन पांचों स्थानों की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। कोर्ट चौराहा भी पहले ब्लैक स्पॉट था, लेकिन लंबे समय से यहां कोई गंभीर सड़क हादसा नहीं हुआ इसलिए इसे ब्लैक स्पॉट की सूची से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, नौ चौराहा-तिराहा पर लेफ्ट टर्न भी तैयार किए जाने हैं। इन स्थानों पर काम करने वाली कोई एजेंसी अभी तय नहीं हुई है, इसलिए यहां काम कब तक शुरू होगा यह तय नहीं है। इनमें से ज्यादातर स्थान लंबे समय से सड़क हादसों और ट्रैफिक जाम के हॉट स्पॉट बने हुए हैं। एक-एक मोड़ पर वाहनों की लाइनों के कारण रास्ते बार-बार ब्लॉक होते हैं। इसी परेशानी को दूर करने के लिए सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट में बैठक हुई थी। इसमें 27 चौराहा-तिराहों के सुधार कार्य पीडब्ल्यूडी को सौंपे गए थे। करीब दो महीने बाद भी सभी 27 स्थानों पर काम की तैयारी पीडब्ल्यूडी नहीं कर पाया है। 1250 के पास, व्यापमं चौराहा, गोविंदपुरा टर्निंग, 1100 क्वार्टर के पास और तरुण पुष्कर के पास। इन स्थानों पर पीडब्ल्यूडी अपने बजट से करीब 6 करोड़ रुपए का सुधार कार्य करेगा। इसके अलावा वल्लभ भवन चौराहा पर के सुधार कार्य के लिए फिलहाल बजट सेंक्शन की प्रक्रिया की जा रही है।

24 घंटे में दो महिलाओं ने की आत्महत्या

मां बाथरूम गई, फंदे पर लटकी मिली बेटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में दो अलग-अलग मामलों में शादीशुदा महिलाओं के फांसी लगाकर खुदकुशी करने की घटना सामने आई हैं। पहला मामला गोविंदपुरा का है, जहां 30 वर्षीय महिला ने बाथरूम में फांसी लगाई और मौके से मिले सुसाइड नोट में अपने पति को मौत का जिम्मेदार बताया। वहीं, दूसरा मामला छोला इलाके का है। यहां नौ महीने पहले शादी हुई नवविवाहिता ने फांसी लगाई। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

पति के लौटकर न आने से तनाव में थी महिला: गोविंदपुरा पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय धनकेश्वरी सुदामा नगर में अपनी मां और भाइयों के साथ रहती थी।

उसका एक बच्चा भी है। वर्ष 2020 में उसका पति चेन्नई चला गया और फिर वापस नहीं आया। इस घटना के बाद से धनकेश्वरी मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी और अक्सर अकेले रहती थी। सोमवार की रात घर में सभी लोग सो रहे थे। इसी दौरान वह चुपचाप बाथरूम में गई और फांसी लगा ली। सुबह करीब 6 बजे जब घर के सदस्य उठे, तो उन्होंने धनकेश्वरी को फंदे पर लटका देखा। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और टीम मौके पर पहुंची।मौके की जांच के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें धनकेश्वरी ने अपने पति को मौत का जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने बताया कि नोट में लिखा है कि पति के छोड़कर चले जाने के बाद से वह टूट चुकी थी और मानसिक रूप से यह सब सहन नहीं कर पा रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमॉर्टम करवाया और सुसाइड नोट को जब्त कर हैंड राइटिंग की जांच कराने के लिए भेज दिया है।

छोला मंदिर इलाके में नवविवाहिता ने फांसी लगाई: दूसरी घटना छोला मंदिर थाने के शिव नगर इलाके की है, जहां 20 साल की दीपा प्रजापति ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, दीपा की शादी करीब नौ महीने पहले हुई थी। उसके पति मनोहर डेयरी में काम करते हैं। घर में सास और देवर भी रहते हैं।

रफ्तार को लेकर भी उठे रहे सवाल

पैसेंजर नहीं मिलने से बदल दी गई मेट्रो की टाइमिंग, ट्रिप भी घटाई गई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एक महीने के अंदर भोपाल मेट्रो ने कई उतार-चढ़ाव देखें। तमाम प्रयास के बावजूद मेट्रो को पैसेंजर नहीं मिल रहे हैं। स्थिति यह है कि दिन में 13 ट्रिप लगाने के बावजूद 300 यात्री भी नहीं बैठ पा रहे। यानी, 3 कोच की एक मेट्रो में प्रति ट्रिप एवरेज 30 यात्री ही बैठ रहे हैं।

इतनी कम संख्या का अनुमान मेट्रो कॉरपोरेशन के अफसरों को भी नहीं था। हालांकि, आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ने की उम्मीद भी है। अफसरों का कहना है कि भविष्य में पास सुविधा भी शुरू हो जाएगी। इसलिए डेली अप-डाउनर्स को फायदा मिलेगा। इसके अलावा, स्टूडेंट्स और बुजुर्गों के लिए भी टिकट में छूट दी जा सकती है। मेट्रो के कमर्शियन रन को 1 महीना पूरा हो गया है। पैसेंजर नहीं मिलने से 14 दिन में ही न सिर्फ टाइमिंग बदल दी गई, बल्कि ट्रिप भी घटाई। दूसरी ओर, इसकी रफ्तार को लेकर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, एक अच्छी बात फेयर कलेक्शन सिस्टम इंस्ट्रॉल करना है। सभी 8 स्टेशन पर सिस्टम लगने शुरू हो गए हैं। इंदौर में 31 मई 2025 को मेट्रो के कमर्शियल रन की शुरुआत की गई थी। यहां पहले ही दिन करीब 26 हजार पैसेंजर मेट्रो में सवार हुए थे। हालांकि, शुरुआती 7 दिन तक इंदौर में मेट्रो में सफर करना फ्री में था, लेकिन भोपाल में ऐसा नहीं किया गया। पहले दिन से ही लोगों को टिकट खरीदना पड़ी। बावजूद पहले दिन कुल 6568 पैसेंजर सवार हुए थे और मेट्रो को टिकट के बदले 2 लाख 5 हजार 350 रुपए मिले थे। इसके बाद पैसेंजर की संख्या घटती गई।

टाइमिंग-ट्रिप घटाने के बाद भी संख्या नहीं बढ़ी

ट्रेन की टाइमिंग और ट्रिप घटाने के बाद भी यात्रियों की संख्या नहीं बढ़ी है। सिर्फ वीकेंड के दिनों में ही संख्या ज्यादा होती है। बाकी दिनों में यह 300 से 400 के बीच ही रहती है। पिछले 8 दिन (13 से 20 जनवरी तक) की संख्या पर नजर डाले तो करीब 3350 यात्रियों ने सफर किया। 13, 15 और 19 जनवरी को संख्या 300 से भी कम रही। 15 जनवरी को सिर्फ 275 यात्री ही सवार हुए थे। वहीं, 18 जनवरी को रविवार होने की वजह से यह संख्या एक हजार के करीब पहुंच गई थी।

मेट्रो एंकर मरीजों को नहीं जाना होगा दिल्ली-नागपुर, अब चार सबसे जटिल अंग प्रत्यारोपण की सुविधा

एम्स भोपाल को मिली लंग्स ट्रांसप्लांट की अनुमति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल को अब फेफड़ा (लंग्स) प्रत्यारोपण की आधिकारिक अनुमति मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही यह केंद्र मध्य भारत का ऐसा पहला सरकारी चिकित्सा संस्थान बनने की राह पर है, जहां हार्ट, किडनी, लिवर और लंग्स जैसे चारों बड़े अंगों के ट्रांसप्लांट की सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी। इस सुविधा के शुरू हो जाने से जरूरतमंदों को दिल्ली, नागपुर, चेन्नई और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में जाने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

हाल ही में स्टेट आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (सोटो) की टीम ने एम्स भोपाल का दौरा कर यहां की अत्याधुनिक मशीनों और विशेषज्ञों की टीम का जायजा लिया था। निरीक्षण के बाद सोटो

ने फेफड़ा प्रत्यारोपण के लिए एम्स को उपयुक्त पाया और इसकी अनुमति प्रदान कर दी। हालांकि संस्थान को अभी लिवर ट्रांसप्लांट की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। फेफड़े का प्रत्यारोपण एक जटिल प्रक्रिया है, जिसके लिए एम्स ने पहले ही तैयारी पूरी कर ली थी। यहां वर्तमान में एक्मो, हार्ट-लंग्स मशीन और आईएबीपी जैसी विश्वस्तरीय और आधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं। ये मशीनें ऑपरेशन के दौरान और बाद में मरीज के अंगों को सुचारू रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एम्स के विशेषज्ञ डॉ. केतन मेहरा ने बताया कि प्रदेश में अंगदान को लेकर अभी भी कई चुनौतियां हैं।

सबसे बड़ी बाधा फंड की कमी

सबसे बड़ी बाधा फंड की कमी, सामाजिक भ्रांतियां और अस्पष्ट गाइडलाइन हैं। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि यदि आयुष्मान योजना में ट्रांसप्लांट के खर्च को कवर किया जाए और अस्पतालों में 24 घंटे ट्रेंड काउंसलर तैनात किए जाएं, तो अंगदान की दर में तेजी आ सकती है। इसके अलावा ब्रेन डेड सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया को भी सरल बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में किडनी प्रत्यारोपण सरकारी क्षेत्र में एम्स भोपाल और हमीदिया अस्पताल सहित इंदौर के कुछ मेडिकल कालेजों में हो रहा है। निजी क्षेत्र में भोपाल और इंदौर के कई बड़े अस्पताल यह सुविधा दे रहे हैं।

दावोस में 'इन्वेस्ट इन इंडिया- मध्यप्रदेश' राउंडटेबल मीटिंग मोहन यादव बोले

सरल व्यापार नीतियों से विकास को मिलेगी गति रोजगार पैदा करने वाले उद्योगों को देंगे सहयोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सुगम व्यापार वातावरण ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस पर केंद्रित नीतियों के माध्यम से विकास को नई गति दे रही है। उन्होंने राज्य की सुदृढ़ अवसंरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और जल, भूमि, श्रम और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता को निवेशकों के लिए बड़ी ताकत बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात %वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम% दावोस में 'इन्वेस्ट इन इंडिया-मध्यप्रदेश - एक रणनीतिक निवेश केंद्र' पर आयोजित राउंडटेबल मीटिंग में कही। राउंड टेबल मीटिंग में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख और उभरते निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया।

सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऑटोमोबाइल, नवकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, आईटी-आईटीईएस, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसे क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू निवेशकों से इन क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा दी जा रही नीतिगत सहायता और विभिन्न प्रोत्साहनों की जानकारी भी साझा की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार उन उद्योगों और व्यवसायों को विशेष सहयोग देगी, जो मध्यप्रदेश में रोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यदि किसी निवेश प्रस्ताव को विशेष या अनुकूलित समर्थन की आवश्यकता होगी, तो निवेश प्रोत्साहन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति कैबिनेट कमेटी फॉर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऐसे प्रस्तावों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

निवेशकों से साझा किए विचार

राउंडटेबल चर्चा में शामिल निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने पर्यटन, मनोरंजन, डिजाइन, नवकरणीय ऊर्जा, निर्यात, रसायन, अल्कोहल, टेक्सटाइल पार्क, वित्तीय क्षेत्र, आईटी-आईटीईएस, जीसीसी और बौद्धिक संपदा जैसे क्षेत्रों में नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर अपने सुझाव साझा किए। इनमें जिरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ, हिताची इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. भारत कौशल, एमोविया की सह-संस्थापक एवं सीईओ कैरन बाएर्ट, एंटोरा एनर्जी के सीईओ एंड्रयू पोर्निक, AB InBev के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट अफेयर्स एंड्रिस पेनेटा, न्यू दिल्ली हब के संस्थापक एवं अध्यक्ष ईशान प्रताप सिंह, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के ग्लोबल सीटीओ कल्याण कुमार शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार निवेश अनुकूल नीतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के निदेशक से मुलाकात

मप्र को खेलों का वैश्विक केंद्र बनाने पर फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण, अकादमियों और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से राज्य को एक उभरते खेल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि खेलों से जुड़े निवेश, प्रशिक्षण शिविर, अंतर्राष्ट्रीय मैच और टूर्नामेंट जैसे आयोजन राज्य में खेल पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोज़गार के नए अवसर भी सृजित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम-2026, दावोस में विश्व प्रसिद्ध फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के एक्ज़ीक्यूटिव को-चेयर एवं निदेशक अवराम एवी ग्लेज़र से मुलाक़ात कर खेल विकास, निवेश, जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने, खेल पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों से जुड़े संभावित सहयोग पर चर्चा कर रहे थे।

ग्लेजर ने सीएम से जताई सहमति

सीएम ने चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश खेलों को केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित न रखते हुए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, युवाओं के विकास तथा सामाजिक जुड़ाव का प्रभावी माध्यम मानता है। उन्होंने विशेष रूप से फुटबॉल का उल्लेख करते हुए कहा कि यह खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और फिटनेस के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर राज्य की पहचान बनाने का सशक्त माध्यम बन सकता है। मैनचेस्टर यूनाइटेड के निदेशक श्री अवराम एवी ग्लेज़र ने मुख्यमंत्री से सहमति जताते हुए कहा कि फुटबॉल न केवल स्वास्थ्य और युवाओं के विकास में सहायक हो सकता है, बल्कि खेल पर्यटन को भी नई गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्लबों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आयोजनों के माध्यम से किसी क्षेत्र को वैश्विक खेल मानचित्र पर स्थापित किया जा सकता है।

नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा

डीसीपी क्राइम करेंगे जांच सीएमएचओ कार्यालय के डॉक्टरों पर दर्ज होगी FIR

एनआरआई नर्सिंग कॉलेज, अस्पताल की बनाई थी फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट।

राज्य साइबर पुलिस ने लिया संज्ञान, गुमराह करने वाले अधिकारी नपेंगे।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की शिकायत पर राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भोपाल पुलिस उपायुक्त (क्राइम) को जांच के निर्देश दिए हैं। मामला सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारियों और एनआरआई नर्सिंग कॉलेज के संचालकों द्वारा साठगांठ कर फर्जी भौतिक सत्यापन रिपोर्ट तैयार करने से जुड़ा है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार के अनुसार, एनआरआई इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग और उससे संबद्ध अरनव अस्पताल की वैधता को लेकर शिकायत की गई थी। इस पर मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने सीएमएचओ भोपाल को मौका मुआयना करने के निर्देश दिए थे। सीएमएचओ ने जिला टीकाकरण अधिकारी रितेश रावत और चिकित्सा अधिकारी अभिषेक सेन को इसकी जिम्मेदारी सौंपी थी। आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने मौके पर गए बिना ही दफ्तर में बैठकर कालेज के पक्ष में फर्जी और कूटरचित रिपोर्ट तैयार कर काउंसिल को भेज दी।

भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने का आरोप

एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि साक्ष्य सामने आने के बाद 12 दिसंबर 2025 को सीएमएचओ द्वारा दोनों डॉक्टरों को नोटिस तो जारी किया गया, लेकिन एक माह बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे स्पष्ट होता है कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ही भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रहे हैं। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि एनआरआई इंस्टीट्यूट और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ शीघ्र एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन करेगा।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच टकराव की स्थिति

25 जनवरी को होग मूर्ति का अनावरण

एसडीएम ने मना किया, एमएलए ने लगवा दी टंट्या भील की प्रतिमा

सैलाना, दोपहर मेट्रो

बाजना अंचल के राजापुरा गांव में जननायक टंट्या भील की प्रतिमा स्थापना को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। ग्रामसभा द्वारा पारित प्रस्ताव के बावजूद सैलाना एसडीएम द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने से नाराज विधायक कमलेश्वर डोडियार ने देर रात गांव पहुंचकर स्वयं प्रतिमा स्थापित करवा दी।

जानकारी के अनुसार राजापुरा गांव के ग्रामीण ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित कर जननायक टंट्या भील की प्रतिमा स्थापित करने की सूचना देने सैलाना एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास ग्रामसभा का विधिवत प्रस्ताव और एनओसी था। इसके बावजूद एसडीएम ने ग्रामसभा की कार्यवाही को अवैध बताया और पुरातत्व विभाग सहित अन्य विभागों की अनुमति लेने की बात कही।

पुलिस कार्रवाई के नाम पर डराने का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक स्तर पर प्रतिमा स्थापना को लेकर पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी गई। मामले की जानकारी सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार को लगी। विधायक डोडियार देर रात करीब ढाई बजे राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के तलवाड़ा से जननायक टंट्या भील की प्रतिमा लेकर राजापुरा गांव पहुंचे और ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रतिमा स्थापित करवाई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। डोडियार ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा कानून का एक-एक अक्षर लागू किया जाएगा। विधायक ने बताया कि 25 जनवरी को जननायक टंट्या भील की प्रतिमा का विधिवत अनावरण व जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रतिमा स्थापना के दौरान विधायक के साथ जिला पंचायत सदस्य शरद डोडियार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कविता भगोरा, आदिवासी छात्र संगठन के पूर्व अध्यक्ष ध्यानवीर डामोर, जयस भील एकता मिशन के प्रदेश सचिव मांगू सिंह सिंगाड सहित कनीराम सिंगाड़, भुरजी, भानजी और अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

आदिवासियों का कलेक्टर कार्यालय घेराव नागरिकता सबूत मांगने पर तीखा विरोध

बड़वानी, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय बड़वानी में बड़ी संख्या में आदिवासी किसान-मजदूर अपने सम्मान और अस्तित्व के अधिकार के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने रोजगार, जमीन और नागरिकता पर कथित हमलों के विरोध में राष्ट्रपति और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

आदिवासियों ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) में उनके नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं। हजारों आदिवासियों को नोटिस जारी कर नागरिकता का सबूत मांगा जा रहा है, जिससे उनकी नागरिकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नरेगा मजदूरी और कानून पर सवाल- संगठन के हरसिंग जमरे ने बताया कि जहां हजारों आदिवासी पलायन को मजबूर हैं, वहीं रोजगार के साधन बढ़ाने के बजाय नया कानून पारित कर रोजगार गारंटी को कमजोर किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद 467 रुपए प्रतिदिन को न्यूनतम आवश्यकता मानती है, लेकिन नरेगा में 261 रुपए देकर आदिवासियों से बेगारी करवाई जा रही है।

100 दिन का काम नहीं मिलने का दावा

आदिवासियों का कहना है कि पिछले 10-15 वर्षों में किसी को भी 100 दिन का काम नहीं मिला और अब 125 दिन का झूठा वादा किया जा रहा है। उनका आरोप है कि काम कहां और कब खुलेगा, यह तय करने का अधिकार शासन-प्रशासन के पास रखा गया है, जिससे पेसा कानून का उल्लंघन हुआ है और ग्राम सभा से काम तय करने का अधिकार छीन लिया गया है।

बिजली बिल, भुगतान और तकनीकी प्रक्रियाओं पर आरोप

प्रदर्शनकारियों ने फर्जी बिजली बिल वसूलने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि बिना मीटर रीडिंग के गेहूं सिंचाई के समय बिजली सप्लाई के बदले किसानों से पैसे लिए जा रहे हैं। मोबाइल हाजिरी, जियो-टैगिंग और आधार-केवाईसी के जरिए मजदूरी और भुगतान रोके जाने तथा बजट न होने का बहाना बनाकर काम न देने जैसी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया।

चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज

संगठन की ना बाई ने कहा कि जिन लोगों ने देश की आजादी और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए सबसे पहले कुर्बानी दी, आज उन्हीं के बच्चों को रोजगार, दाम और पहचान से वंचित किया जा रहा है। जागृत आदिवासी दलित संगठन ने एसआईआर में आदिवासियों और अन्य गरीबों के वोट के अधिकार छूटने के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है।

आम उपभोक्ता भी करा सकेंगे दूध व दुग्ध उत्पादों की जांच

प्रदेश में बनेगी पहली सहकारी अत्याधुनिक राज्य स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पहली सहकारी क्षेत्र की अत्याधुनिक केन्द्रीय राज्य स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल में स्थापित की जा रही है, जिसका अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। यह प्रयोगशाला केन्द्र सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डेवलपमेंट परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। मध्यप्रदेश राज्य में मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन, भोपाल में सहकारिता क्षेत्र की यह पहली राज्य स्तरीय प्रयोगशाला होगी। राज्य स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला में आम उपभोक्ता भी दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच करा सकेंगे। यदि आपके घर में आने वाले दूध या उससे बने उत्पादों में मिलावट की आशंका है, तो अब जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, जहां आम उपभोक्ता के साथ देश एवं प्रदेश की खाद्य उत्पादक संस्थाएं भी दूध और दुग्ध उत्पादों का परीक्षण करा सकेंगी। परियोजना का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाला दूध एवं दुग्ध उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। प्रदेश में अब तक दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच एक बड़ी चुनौती रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की जा रही है।

मान्यता प्राप्त होगी मार्डन लेब

यह प्रयोगशाला केंद्र शासन के मार्गदर्शन एवं वित्तीय सहयोग से स्थापित की जा रही है, जिसे (नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज) तथा (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) से मान्यता प्राप्त होगी। अत्याधुनिक मशीनें स्थापित प्रयोगशाला के निर्माण के लिये भारत सरकार द्वारा 12 करोड़ 40 लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। इसके अंतर्गत अत्याधुनिक सात मशीनों की खरीदी पूरी हो चुकी है, जबकि शेष मशीनों, केमिकल्स एवं ग्लासवेयर की खरीदी प्रक्रिया जारी है। शीघ्र ही दूध एवं दुग्ध पदार्थों के परीक्षण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

100 से अधिक मानकों पर होगा परीक्षण

राज्य स्तरीय केन्द्रीय प्रयोगशाला में अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से दूध एवं दुग्ध पदार्थों की 100 से अधिक मानकों पर जांच की जाएगी। इसमें पेस्टिसाइड्स, एंटीबायोटिक्स, हेवी मेटल्स, अफ्लाटॉक्सिन, वसा की शुद्धता, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ यूरिया, आयोडीन, माल्टोज, शुगर, नमक एवं अन्य प्रकार की मिलावटों की जांच शामिल होगी।

राज्यपाल भोपाल, मुख्यमंत्री उज्जैन में करेंगे झंडा वंदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गणतंत्र दिवस पर राजधानी और जिला मुख्यालयों में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर राज्य शासन ने मुख्य अतिथि तय कर दिए हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल भोपाल के लाल परेड में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में तिरंगे की सलामी लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को जारी किए हैं। मंत्रियों को प्रभार के जिलों में कार्यक्रम का अतिथि बनाया है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल सागर और जगदीश देवड़ा इंदौर के मुख्य अतिथि बनाए हैं। इंदौर अभी किसी मंत्री के पास प्रभार में नहीं है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय 10 दिन की छुट्टी पर

इधर, ध्वजारोहण की जारी सूची में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम नहीं होने से कई अटकलें शुरू हो गई थी। इसके बाद विजयवर्गीय ने खुद मीडिया को कन्फर्म किया कि वे करीब 10 दिनों के अवकाश पर हैं, इसलिए 26 जनवरी को झंडावंदन नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने छुट्टी की कोई खास वजह नहीं बताई थी। मंत्री विजयवर्गीय के निजी सचिव अभिमन्यू सिंह चौहान ने भी एक पत्र जारी किया है। जिसमें उन्होंने बताया है कि मंत्री विजयवर्गीय के निकट पारिवारिक सदस्य का 20 जनवरी को निधन हो गया है।

मेट्रो एंकर | नवाचार, सुशासन, जन-सहभागिता और सतर्क निगरानी तंत्र से पहचान हुई सशक्त

बाघ संरक्षण की वैश्विक मिसाल बना मध्यप्रदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से भारत का हृदय प्रदेश है। जैव-विविधता और वन्यप्राणी संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश राष्ट्रीय के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सशक्त पहचान बना चुका है। प्रदेश का लगभग एक-तिहाई भू-भाग वनाच्छादित है, यही कारण है कि यहां वन्यजीवों, विशेषकर बाघ, तेंदुआ, चीता जैसी बिग-कैट प्रजाति के लिए अनुकूल प्राकृतिक आवास उपलब्ध हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 में कराई गई बाघ गणना के अनुसार देश में कुल 3,682 बाघ पाए गए हैं, जिनमें से 785 बाघ मध्यप्रदेश में दर्ज किए गए। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। इसी के आधार पर मध्यप्रदेश को 'टाइगर स्टेट' का गौरव प्राप्त हुआ है।

वैज्ञानिक प्रबंधन, पारदर्शी आंकड़े और सख्त निगरानी यह प्रमाणित करती है कि प्रदेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर रहा है। यदि यही निरंतरता बनी रही, तो आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश न केवल 'टाइगर स्टेट' बल्कि वैश्विक संरक्षण मॉडल के रूप में भी स्थापित होगा।

मध्यप्रदेश में बाघ संरक्षण के लिए एक मजबूत और सुव्यवस्थित संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क विकसित किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में 11 राष्ट्रीय उद्यान, 26 वन्यप्राणी अभयारण्य और 09 टाइगर रिजर्वहैं। इन संरक्षित क्षेत्रों में वैज्ञानिक पद्धति से निगरानी, आवास प्रबंधन, शिकार की रोकथाम और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश को यह गौरव भी प्राप्त है कि यहां विश्व की पहली अंतर्राज्यीय बाघ पुनर्स्थापना परियोजना को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

राष्ट्रीय औसत से दोगुनी वृद्धि

आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2018 से 2022 के बीच देश में बाघों की संख्या में 24.10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मध्यप्रदेश में यह वृद्धि 49.24 प्रतिशत रही। वार्षिक आधार पर देश में बाघों की औसत वृद्धि लगभग 6.02 प्रतिशत रही। मध्यप्रदेश में यह दर 12.31 प्रतिशत तक पहुंच गई जो राष्ट्रीय औसत से दोगुने से भी अधिक हैं। इससे सिद्ध हुआ है कि प्रदेश की संरक्षण रणनीतियां प्रभावी रही हैं।

वर्ष 2025 में 55 बाघों की मौत के कई कारण

वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश में दर्ज 55 बाघ मृत्यु घटनाओं का विस्तृत अध्ययन किया गया। इनमें प्राकृतिक कारणों से 38 बाघों की मृत्य हुई, जो कुल मौतों का 69 प्रतिशत है।इनमें आपसी संघर्ष, बीमारी, वृद्धावस्था, दुर्घटनाएं, रेल और सड़क हादसे शामिल हैं। शिकार से 11 बाघों की मृत्यु हुई है, जो कुल मृत्यु संख्या का 20 प्रतिशत है।इनमें से अधिकांश मामलों में विद्युत करंट के उपयोग की पुष्टि हुई। उल्लेखनीय है कि इन प्रकरणों में अवैध शिकार की मंशा सिद्ध नहीं हुई, बल्कि फसलों और पशुधन की रक्षा का प्रयास प्रमुख कारण रही है। व्याघ्र अंगों की तस्करी के लिये 6 बाघों का शिकार हुआ, जो कुल मौतों का 11त्न है।इन मामलों में बाघ के अवयव जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इससे वन अमले की सक्रियता और सजगता सिद्ध हुई है।

समानता की परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए नैतिक चेतावनी है। निजी स्कूलों में आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने पर कोर्ट का कड़ा रुख यह संकेत देता है कि शिक्षा को बाजार की वस्तु नहीं, बल्कि नागरिक का मौलिक अधिकार माना जाना चाहिए। यह निर्णय हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सचमुच एक समान अवसरों वाले समाज की ओर बढ़ रहे हैं या फिर असमानता को चमकदार कक्षाओं के पीछे छिपा रहे हैं। वर्षों से आरटीई कानून मौजूद है, लेकिन उसका क्रियान्वयन ढीला रहा है। कई निजी स्कूल बहाने बनाकर गरीब बच्चों को प्रवेश देने से बचते रहे हैं- कभी 'अनुशासन' के नाम पर, कभी 'संस्कृति' के नाम पर और कभी 'शैक्षणिक स्तर' के नाम पर। सुप्रीम कोर्ट ने इसी मानसिकता पर चोट करते हुए कहा है कि यदि व्यवस्था संवेदनशील हो, तो कमजोर पृष्ठभूमि के बच्चे भी न केवल तालमेल बिठा सकते हैं, बल्कि स्कूल के माहौल को अधिक मानवीय बना सकते हैं। यह टिप्पणी शिक्षा में करुणा और समावेशन की अनिवार्यता को रेखांकित करती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि 25 प्रतिशत कोटा कोई दान नहीं है। यह संविधान के अनुच्छेद 21(ए) और 39(एफ) में निहित समानता और बाल विकास के सिद्धांतों का व्यावहारिक रूप है। यानी यह सामाजिक न्याय का प्रश्न है, न कि परोपकार का। जिस याचिका पर यह फैसला आया- जहां उपलब्ध सीटों के बावजूद एक गरीब परिवार के बच्चों को प्रवेश नहीं मिला- वह हमारे सिस्टम की खामियों का दर्पण है। कोठारी आयोग का 'कॉमन स्कूल सिस्टम' आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना दशकों पहले था। जब तक अमीर और गरीब के बच्चे अलग-अलग परिसरों में पढ़ेंगे, तब तक भाईचारे का सपना अधूरा रहेगा। रिक्शा चालक का बेटा और सुप्रीम कोर्ट के जज की बेटी एक ही कक्षा में बैठें- यही संविधान की सच्ची भावना है। लेकिन चुनौती यहीं खत्म नहीं होती। सरकारों को सिर्फ नियम बनाने नहीं, बल्कि निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। स्कूलों को भी अपनी मानसिकता बदलनी होगी- विविधता को बोझ नहीं, बल्कि संपत्ति मानना होगा। यह फैसला अवसरों की खिड़की खोलता है, पर असली परीक्षा अब शुरू हुई है। क्या हम इस खिड़की से रोशनी अंदर आने देंगे, या फिर उसे पर्दों से ढक देंगे? यह तय करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

दावोस में गूंज रहा है मोहन यादव का निवेश अभियान, एमपी को मिलेगा ग्लोबल प्लेटफॉर्म

हर्षवर्धन पांडे
पत्रकार

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दावोस दौरे के माध्यम से एमपी को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बनाने का प्रयास कर रहे हैं। निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को एमपी की डेवेलपमेंट नीति का मुख्य केंद्र बनाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते दो वर्ष में देश-विदेश में निरंतर निवेश के अवसरों को तराशने की कोशिश की है। अब वह दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में अपनी भागीदारी दर्ज कर मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों को बढ़ाने की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं।दावोस के मंच पर होने वाली चर्चाओं का सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापारिक नीतियों पर पड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस मंच का उपयोग मध्यप्रदेश के लिए अधिक से अधिक निवेश जुटाने के उद्देश्य से करने जा रहे हैं। एमपी सरकार का प्रतिनिधिमंडल दावोस के वैश्विक मंच पर ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस, त्वरित निर्णय प्रणाली और भूमि-आवंटन की सरल प्रक्रिया को वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रमुखता से रख रहा है।इस वर्ष वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की थीम ' ए स्पिरिट हाफ डायलॉग ' रखी गई है, जो सहयोग और साझेदारी पर आधारित विकास मॉडल पर आधारित है। दावोस में मध्यप्रदेश निवेश-केंद्रित संवाद, नीति प्रस्तुतिकरण और रणनीतिक साझेदारियों पर फोकस कर रहा है। मध्यप्रदेश विशेष रूप से कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग, बायोटेक-फार्मा-हेल्थकेयर, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, रसायन उद्योग, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, रियल एस्टेट, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स, होल्डिंग कंपनियों, शिक्षा और खेल अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश संवाद करेगा। दावोस दौरे के माध्यम से मध्यप्रदेश मैन्युफैक्चरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, रसायन उद्योग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक उद्योग जगत से संवाद होगा और सभी को एमपी आमंत्रित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मुख्य उद्देश्य इन्वेस्ट इन एमपी को वैश्विक स्तर पर मजबूती से स्थापित करना है। राज्य सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में तेजी, त्वरित निर्णय प्रक्रिया, भूमि आवंटन की आसान व्यवस्था और निवेशकों के लिए एकल खिड़की प्रणाली जैसी पहलें दावोस में प्रमुखता से प्रस्तुत की जा रही हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव 21 जनवरी से विभिन्न सत्रों, वन-टू-वन मीटिंग्स, सेक्टोरल राउंडटेबल्स और कॉर्पोरेट डायलॉग में भाग लेंगे, जहां वे वैश्विक सीईओ, नीति-निर्माताओं और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से अपना सीधा संवाद स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एमपी एक जमाने में बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था, अब रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी निवेशकों के दिल जीत रहा है। राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव दावोस पहुंचने के बाद कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे। एक माह पूर्व ग्वालियर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को विकास का महत्वपूर्ण माइलस्टोन करार दिया था। उन्होंने कहा कि इन कॉन्क्लेव के जरिए निवेश को रोजगार से जोड़ने का सफल प्रयास मोहन के कार्यकाल में हुआ है। मोहन सरकार ने विभिन्न संभागों में इन कॉन्क्लेव का आयोजन कर निवेश आकर्षित किया, जिससे औद्योगिक ईकाइयां स्थापित हो रही हैं और लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। शाह ने इसे प्रदेश की आर्थिक मजबूती का आधार बताया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर हुए इस मेगा समिट में 2 लाख करोड़ से अधिक के निवेश वाले प्रोजेक्ट्स की नींव रखी गई, जिससे करीब 2 लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में अब तक 8.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं।

सीएम डॉ .मोहन यादव ने अपने कार्यकाल में औद्योगिक विकास को एक नई दिशा प्रदान की है। एमपी में इलेक्ट्रिक वाहन, स्मार्ट सिटी, सूचना प्रौद्योगिकी, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, फार्मा, आईटी और पेट्रोकेमिकल्स जैसे प्रमुख सेक्टरों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। राज्य का उद्देश्य केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी विकसित करना है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का दावोस का दौरा देश के हृदयप्रदेश एमपी को निवेश के भरोसेमंद गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

दावोस में पहले दिन हुई राज्य प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में मध्यप्रदेश ने खुद को भविष्य की तकनीक और सतत विकास का केन्द्र बनाने की दिशा में अपने कदम बढ़ाये हैं। राज्य के प्रतिनिधियों की वैश्विक शीर्ष कंपनियों के साथ हुई बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एमपी अब टियर टू तकनीकी हब , एआई और नवीनीकरण ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। एचसीएल टेक, ग्रीन एनर्जी 3000, पीस इन्वेस्ट से ऊर्जा जल परियोजनाओं पर हुई चर्चा और अमारा राजा समूह से ऊर्जा भण्डारण ,भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं पर मंथन इस दिशा में नई साझेदारी की नींव रखने जा रहा है।दावोस का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। डॉ.मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दावोस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देगा। यह दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आयुर्वेद के साथ प्राचीन चिकित्सा पद्धति का वैश्विक उत्थान, उम्मीद की नई किरण

डॉ. नीलम महेंद्र
स्तंभकार

हाल ही में जयपुर के एसएमएस और उसके संबद्ध अस्पतालों में की गई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि मनुष्यों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर 57% से 90% तक कम हो गया है। कुल 9776 मरीजों पर की गई रिसर्च में पता चला कि इनमें से एक भी मरीज ऐसा नहीं था जिसे एंटीबायोटिक का 60% भी असर हुआ हो। इन सभी के शरीर में एंटीबायोटिक्स के प्रति 60% से 98% तक रेजिस्टेंस आ गया है। जिन एंटीबायोटिक्स का असर बिल्कुल खत्म हो गया है उनमें सिप्रोफ्लाक्सासिन, एरोथ्रोमाइसिन, डॉक्सिसाइकिलिन, एमपीसीलिन जैसे ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक (एक ऐसा एंटीबायोटिक जो कई तरह के बैक्टीरिया खासकर ग्राम पॉजिटिव और ग्राम नेगेटिव दोनों प्रकार के जीवाणुओं पर असर करता है) शामिल हैं जो अपने आप में अत्यंत चिंताजनक है। दरअसल यह इन एंटीबायोटिक के अत्यधिक प्रयोग का साइड इफेक्ट है।

एलोपैथिक दवाओं के साइड इफेक्ट इतने पर ही सीमित नहीं हैं। अब धीरे धीरे यह बात सामने आने लगी है कि लगभग हर अंग्रेजी दवा का कोई न कोई साइड इफेक्ट होता ही है। हालांकि हर दवा कंपनी दवा की पैकिंग के समय उसके उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में एक पर्ची में सारी जानकारी देती है लेकिन फिर भी जब से एलोपैथी अस्तित्व में आई,उसकी दवा से मिलने वाले तात्कालिक राहत को देखते हुए अधिकांश लोगों का झुकाव उसकी ओर होता चला गया। लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिसर्च और रिपोर्टें लोगों को सोचने के लिए विवश कर रही है। खास तौर पर सोशल मीडिया के इस डिजिटल दौर में जब कोई भी सूचना क्षण भर में आम हो जाती है, तो आम आदमी भी खास जानकारी से युक्त हो के जागरूक हो जाता है। नतीजन आज विश्व भर में लोग स्वस्थ्य रहने के लिए प्रकृति, आयुर्वेद, प्राणायाम और योग की ओर लौट रहे हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद, जो कि एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान है,वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। आज यह न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के साथ साथ कई जानलेवा बीमारियों से लड़कर पुनः स्वस्थ होने की राह दिखा रहा है। दअरसल आधुनिक जीवन शैली के परिणाम स्वरूप आजकल लोगों को कम उम्र में ही मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसे रोग हो रहे हैं। लेकिन इन परिस्थितियों में जब अंग्रेजी दवाइयों के दुष्प्रभाव सामने आने लगे हैं, तब जनमानस में एक सुखद बदलाव यह देखने को मिल रहा है कि अब वे अंग्रेजी दवाइयों का सहारा लेने के बजाए अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर इन बीमारियों से बचने के लिए प्राकृतिक आहार विहार को अपनाकर स्वस्थ होने पर बल दे रहे हैं। खास तौर पर कोरोना महामारी के दौरान जिस प्रकार लोग आयुर्वेद के साधारण घरेलू नुस्खों से अपनी इम्युनिटी बढ़ाकर इस जानलेवा बीमारी से लड़कर खुद को बचाए रखने में कामयाब रहे उसने विश्व भर में आयुर्वेद की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया। परिणाम स्वरूप 2023 तक वैश्विक आयुर्वेद बाजार का आकार लगभग12.9 बिलियन डॉलर आ गया था और यह 2030 तक 76.91 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 27.2% की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। आयुर्वेद के बढ़ते प्रभाव का एक प्रमाण यह भी है कि भारत के आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बीच पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को प्रोत्साहित करने और उनके वैज्ञानिक आधार को मजबूत करने के लिए 2023 में एक समझौता किया गया। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण विश्व में आयुर्वेद की स्वीकार्यता और विभिन्न रोगों के उपचार में आयुर्वेद की प्रभावशीलता को देखते हुए तकनीकी प्रमाण आधारित आयुर्वेदिक उत्पादों का विकास करना है।

दरअसल आज भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न शोध संस्थान आयुर्वेद के चिकित्सीय लाभों और इसके औषधीय उपयोगों पर व्यापक अनुसंधान कर रहे हैं। तुलसी, सर्पगन्धा,अश्वगंधा, गिलोय, नीम, आँवला, हल्दी जैसे पौधों पर किए गए वैज्ञानिक अनुसंधानों के परिणामों ने विश्व भर के वैज्ञानिकों को अचंभित किया है। इन आयुर्वेदिक औषधियों पर रिसर्च करने पर यह बात सामने आई कि ये साधारण पौधे या वनस्पतियाँ नहीं हैं बल्कि औषधीय गुणों की खान हैं। ये सिर्फ मानव शरीर ही नहीं मन पर भी अपना औषधीय प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की बात हो या मानसिक तनाव कम करने की बात हो, शरीर को स्वस्थ रखना हो या फिर युवा रखना हो, आज लोग इन बातों के लिए आयुर्वेद का सहारा ले रहे हैं। गौरतलब है कि वर्तमान दौर में आयुर्वेद केवल चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सौंदर्य और पोषण उत्पादों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका में आ चुका है।

खास बात यह है कि आयुर्वेद पर किए गए प्रयोगों के इस प्रकार के नतीजों से उत्साहित वैज्ञानिक अब आयुर्वेदिक औषधियों को आधुनिक तकनीकों, जैसे नैनो टेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी, के साथ जोड़ रहे हैं। आज जब पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं, आयुर्वेद एक प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर आया है। क्योंकि यह न केवल गम्भीर से गम्भीर बीमारियों का उपचार प्रदान कर रहा है, बल्कि मानव को प्रकृति के साथ जोड़ रहा है, उसे प्रकृति के करीब ला रहा है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का विज्ञान है। दिन ,रात सर्दी, गर्मी, बरसात, समय के इस बदलते चक्र के साथ, प्रकृति के बदलते रंग के साथ, अपनी दिन चर्या, आहार विहार, खान पान में बदलाव लाकर, प्रकृति के साथ मानव शरीर का सामंजस्य बनाने का विज्ञान। आज जब विश्व आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के दुष्प्रभावों और सीमाओं का सामना कर रही है, भारत का हज़ारों साल पुराना चिकित्सा विज्ञान आयुर्वेद एक नई उम्मीद के रूप में उभर रहा है। भारतीय योग परम्परा के बाद आयुर्वेद की यह वैश्विक स्वीकार्यता भारत के गौरवशाली और समृद्ध अतीत का प्रमाण है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

न्यूट्रिशनिस्ट की राय: कठिन नहीं हैं शरीर में ख़राब कॉलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय

आजकल की भागदौड़ भरी इस जिंदगी में लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां काफी ज्यादा आम होती जा रही हैं। लोग जिस तरह से अनहेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो कर रहे हैं उससे बैड कोलेस्ट्रॉल की प्रॉब्लम दुनिया भर में आम हो चुकी है और यह समस्या हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही है। बैड कोलेस्ट्रॉल को लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन (LDL) कहते हैं, जिसका लेवल बढ़ना कई जोखिमों को बढ़ा देता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक हो सकता है। इसलिए एलडीएल को कंट्रोल करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए दवाइयों के साथ-साथ सही लाइफस्टाइल का होना बेहद जरूरी है।

सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट और हेल्थ कोच रयान फर्नांडो ने अपनी पोस्ट में कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताया है जो आपके LDL को कम कर सकती हैं। रयान का कहना है कि जब खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है, तो यह एक गंभीर समस्या बन जाती है। लेकिन असल में आपके शरीर में अच्छा कोलेस्ट्रॉल भी होता है, जिसकी आपके शरीर को वास्तव में आवश्यकता होती है। इसलिए लक्ष्य कोलेस्ट्रॉल से डरना नहीं है, इसे संतुलित करना है। डेली की कुछ सिंपल आदतें आपको कोलेस्ट्रॉल को धीरे-धीरे संतुलित करने में मदद कर सकती हैं।

फाइबर का सेवन बढ़ाएं: अपनी डाइट में करीब 10-15 ग्राम सॉल्युबल फाइबर डेली शामिल करें। क्योंकि घुलनशील फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। इससे एलडीएल में करीब 8-12 फीसदी तक की कमी कमी आती है। सॉल्युबल फाइबर के बेहतरीन सोर्स में ओट्स, बार्ले, चिया सीड्स, गाजर और दालें शामिल हैं। इसके अलावा अपनी डाइट में प्लांट कम्पाउंड्स (प्रतिदिन 2 ग्राम) को हिस्सा बनाएं। स्टेरॉल्स और स्टैनॉल्स जैसे प्लांट कंपाउंड कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को रोकते हैं, जो ब्लड में एलडीएल को कम करता है। ये नट्स, बीज, साबुत अनाज में पाया जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को सैचुरेटेड फैट की जगह MUFA/PUFA का सेवन करना शुरू करना चाहिए। यह हार्ट हेल्थ के लिए सबसे प्रभावी डायटरी बदलावों में से एक है। MUFA और PUFA लिवर को एलडीएल को तेजी से साफ करने में मदद करते हैं, जिससे हार्ट हेल्थ बेहतर होती है।

रेगुलर एक्सरसाइज: इसके अलावा एक्सरसाइज भी बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में मदद करते हैं। हफ्ते में 150 मिनट एरोबिक एक्सरसाइज और 2-3 दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें।

सुविचार

किसी भी इंसान की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प उसे भिखारी से राजा बना सकती है। -अज्ञात

निशाना

जिंदगी उलझे चीनी माँझे में...!

सतीश चंद्र श्रीवास्तव

अवैध तरीकों की है मनाही,
खतरे फिर भी ले रहे मोल
एक जरा आनंद की खातिर,
दाँव पर जीवन अनमोल !
कई कटे-पिटे, कई घायल हो गए,
कई तो स्वर्ग सिधारे,
हाय ! दीवानगी चाइना माँझे की,
बन रहे हैं हत्यारे !,
न सोचा समझा विक्रेता ने,
न मन ने झकझोरा क्रेता को
निर्माता को धन से मतलब,
सब दोष मढ़ें विधाता को !
हाथ पर हाथ धरे हम बैठे,
बनकर खूब बेचारे
जिंदगी उलझे चीनी माँझे में,
दिन-दोपहर, साँझ सकारे !

कंजूमर फर्स्ट

नए नियम के तहत AC ऑन और ऑफ दोनों मोड पर कंपनी को बताना होगा कार का माइलेज

अक्सर लोगों को शिकायत होती है कि कार कंपनियां जितना माइलेज बताती हैं, सड़क पर कार चलाते समय वह उतना माइलेज नहीं देती। इस अंतर को खत्म करने के लिए भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक नया और बड़ा नियम प्रस्तावित किया है। अब कार कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपनी कारों का माइलेज AC ऑन और AC ऑफ, दोनों स्थितियों में टेस्ट करें और ग्राहकों को सही माइलेज बताएं। अब कार कंपनियों को यह बताना होगा कि उनकी कार AC चलाने पर कितना माइलेज देती है और बिना AC के कितना। सरकार के नए प्रस्ताव के मुताबिक 1 अक्टूबर 2026 से भारत में बनने वाली या बाहर से आयात की जाने वाली सभी कारों के लिए यह नियम लागू होगा।

दो तरह के माइलेज: अब कंपनियों को अपनी वेबसाइट और कार के साथ मिलने वाली यूजर मैनुअल में दो तरह के माइलेज बताने होंगे। एक जब AC चल रहा हो और दूसरा जब AC बंद हो। यह नियम पेट्रोल, डीजल और यहां तक कि इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) पर भी लागू होगा। इलेक्ट्रिक कारों के मामले में यह बताया जाएगा कि AC चलाने पर बैटरी कितनी जल्दी खत्म होती है।

क्यों पड़ी इसकी जरूरत: अभी तक भारत में कार कंपनियां जो माइलेज बताती हैं, वह बिना ट्रैफिक चलाए टेस्ट किया जाता है। कंपनियां इसके पीछे यह तर्क देती हैं कि वे यूरोपीय मानकों का पालन कर रही हैं, जहां केवल बिना ट्रैफिक के माइलेज नापा जाता है। लेकिन भारतीय अधिकारियों का मानना है कि इससे ग्राहकों को सही जानकारी नहीं मिल पाती और कंपनी के दावे और सड़क पर मिलने वाले माइलेज में बड़ा अंतर आ जाता है।

हालांकि, भारत में लोग लगभग हमेशा AC चलाकर ही गाड़ी चलाते हैं। AC चलाने से इंजन पर लोड बढ़ता है, जिससे माइलेज काफी कम हो जाता है। नया नियम लागू होने से सच्चाई सामने आएगी। ग्राहकों को पता होगा कि असली रोड कंडीशन में उनकी कार कितना एवरेज देगी। इससे खरीदार अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से बेहतर फैसला ले सकेंगे। साथ ही पारदर्शित बढ़ेगी और कंपनियों की माइलेज को लेकर होने वाली हेर-फेर कम होगी।

मानक के तहत होगी टेस्टिंग: यह टेस्टिंग AIS-213 नाम के मानक के तहत की जाएगी। इसमें यह बारीकी से मापा जाएगा कि ट्रैफिक चलाने पर ईंधन की खपत कितनी बढ़ती है और कार से होने वाला प्रदूषण कितना बढ़ जाता है। सरकार एक ऐसे फ्रेमवर्क पर भी काम कर रही है जिससे भविष्य में कार मालिकों को इस बात की भी सटीक जानकारी मिल सकेगी कि उनकी गाड़ी से कितना प्रदूषण हो रहा है।

अजब - गजब

रिसर्च...गाय भी बेस्ट फ्रेंड से बांटती हैं सुख - दु:ख, बिछड़ने पर चली जाती हैं डिप्रेशन में

गाय भी इंसानों की तरह दोस्त बनाती हैं। अब वैज्ञानिक रूप से ये बात साबित हो चुकी है। गायें सिर्फ दूध देने वाले पशु नहीं हैं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक जीव भी हैं। ब्रिटेन की नॉर्थम्पटन यूनिवर्सिटी में क्रिस्टा मैक्लेनन ने अपनी पीएचडी के दौरान एक शोध किया, जिसमें पाया गया कि गायों की भी 'बेस्ट फ्रेंड' होती है। ये चुनिंदा साथी चुनती हैं और उनके साथ समय बिताना पसंद करती हैं। दोस्त से अलग होने पर वे स्ट्रेस में चली जाती हैं, जिससे उनका व्यवहार बदल जाता है और दूध उत्पादन पर भी असर पड़ता है।

शोध में 400 से ज्यादा डेयरी वाली गायों का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि आधी से ज्यादा गायें एक खास साथी के साथ चरना, आराम करना और ग्रूमिंग पसंद करती हैं। यह बॉन्डिंग परिवार पर आधारित नहीं होती, बल्कि व्यक्तिगत पसंद पर होती है। जब गायों को झुंड से अलग कर उनके बेस्ट फ्रेंड के साथ रखा गया, तो उनका हार्ट रेट कम रहा, वे कम उत्तेजित हुईं और कम चलती-फिरती दिखी। लेकिन जब उन्हें अजनबी गाय के साथ रखा गया, तो हार्ट रेट बढ़ गया, वे सिर हिलाने, पैर पटकने और घबराने लगीं। उनके कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर भी बढ़ गया। यह अलगाव डेयरी फार्मिंग में आम है। किसान गायों के प्रोडक्शन स्टेज के आधार पर ग्रुप बदलते हैं जैसे लैक्टेटिंग गायें अलग रखी जाती है जबकि सूखी गायें अलग। वेट चेकअप, मिल्किंग के बाद आइसोलेशन या फुट ट्रिमिंग के लिए भी इन्हें अलग किया जाता है। इससे शॉर्ट-टर्म या लॉन्ग-टर्म स्ट्रेस होता है, जो बढ़े हुए वोकलाइजेशन (चीखना), फिजिकल स्ट्रगलिंग और हाई हार्ट रेट से दिखता है।

पसंदीदा साथी जरूरी : मैक्लेनन का मानना है कि अगर किसान गायों की पसंदीदा साथी को साथ रखें, तो स्ट्रेस कम होगा, वेलफेयर बेहतर होगा और दूध उत्पादन बढ़ सकता है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि दोस्त के साथ रहने वाली गायें ज्यादा रिलैक्स्ड रहती हैं। कैल्व्स (बछड़ों) के साथ भी यही होता है। वो बडी के साथ रहने पर बेहतर सीखते हैं और मेंटल फ्लेक्सिबिलिटी दिखाते हैं। लेकिन अलग होने पर वे जल्दी भूल जाते हैं। दो हफ्ते बाद पुरानी दोस्ती के संकेत कम हो जाते हैं। यह शोध जानवरों की भावनाओं को समझने में महत्वपूर्ण है। गायें ग्रूमिंग से बॉन्ड बनाती हैं, जैसे चिंपैंजी करते हैं। कुछ गायें सिर्फ एक खास साथी को चाटती हैं और सालों तक यह रिश्ता बनाए रखती हैं। किसानों ने भी बताया कि वे गायों की ऐसी बॉन्डिंग नोटिस करते हैं। कुछ साथ रहती हैं, कुछ एक-दूसरे को परेशान करती हैं।

न्यूज विंडो

अनुसूचित जाति, जनजाति कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी का गठन

इटारसी। मप्र अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ द्वारा संगठन की इटारसी तहसील कार्यकारिणी का गठन किया गया। पुरानी इटारसी ओवरब्रिज के नीचे स्थित अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के कार्यालय में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला महासचिव पुनीत गोहर ने नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश महामंत्री दिलीप मैना, वाल्मीकि समाज के संभागीय मीडिया प्रभारी महेश धूरिया, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज बामने, मप्र अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के जिला महासचिव पुनीत गोहर मौजूद रहे। मप्र अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ की तहसील इटारसी कार्यकारिणी में सचिव कैलाश चावरे, विमलेश बहोत, दीपक चौरे, सौरभ राठौर, महामंत्री विजय कंडारे, उपाध्यक्ष सुभम कैथवास, सौरभ राठौर, सचिन बासु, सहसचिव प्रदीप बरसे और मीडिया प्रभारी यतीश बस्तवार को बनाया गया। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश महामंत्री दिलीप मैना ने इटारसी कार्यकारिणी के गठन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि नपा में कर्मचारियों की समस्याओं को कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा उजागर किया जाएगा। समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा।

संगीतमय श्रीराम कथा में भगवान की बाल लीलाओं का सुनाया प्रसंग

मंडीदीप। शहर के सतलापुर में आयोजित रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीराम कथा के चौथे दिन भक्तों का उत्साह चरम पर रहा। कथा व्यास पंडित जितेन्द्रिय महाराज ने श्री राम जी की बाल लीला का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने अहिल्या उद्धार चरित्र एवं श्री राम विवाह के प्रसंग को बहुत ही सुंदर ढंग से सुनाया, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा के दौरान पंडित जितेन्द्रिय ने सकाम पूजन की अपेक्षा निष्काम पूजन की महत्ता पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि निष्काम भाव से की गई भक्ति ही ईश्वर को अधिक प्रिय होती है। साथ ही, चारों वर्णाश्रमों में गृहस्थ आश्रम को सर्वोत्तम बताया, क्योंकि स्वयं भगवान श्री राम ने अवतार लीला में गृहस्थ जीवन का पालन करके इसका उदाहरण प्रस्तुत किया। पंडित जितेन्द्रिय अपनी मधुर कथा-कीर्तन शैली के कारण अनेक राज्यों में प्रसिद्ध हैं तथा मानस मर्मज्ञ के रूप में विशेष पहचान रखते हैं।

भारत रत्न नेशनल कराटे चैंपियनशिप में आरवी सराठे ने जीता गोल्ड

नर्मदापुरम। देवास में आयोजित 5वीं भारत रत्न नेशनल कराटे चैंपियनशिप में नर्मदापुरम जिले की होनहार खिलाड़ी आरवी सराठे ने सब-जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया।स्पिंडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 6 की छात्रा आरवी सराठे, पिता आशुतोष सराठे, ने कड़े मुकाबलों में उत्कृष्ट तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए सभी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासन ने इस सफलता को संभव बनाया।इस उपलब्धि पर परिवार, प्रशिक्षकों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने बधाइयों की झड़ी लगा दी। सभी ने आरवी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

वन विभाग की निगरानी, सुरक्षा और टाइगर स्टेट के दावों पर गंभीर सवाल

ये कैसी निगरानी... बाघ के बीमार होने का पता चलते ही अचानक मौत

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में बाघ की मौत अब आम बात हो चली है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि एक ओर बाघ की मौत हो गई यानी एसटीआर से एक बाघ कम हो गया, वो भी निगरानी शुदा। पिछले छ माह के पन्ने पलटे तो जिले में अगस्त में दो बाघों की मौत चुकी है। तवा नगर के जंगल मे हुई बाघ की मौत को लेकर वन विभाग लिखित रूप से विज्ञप्ति जारी कर कह रहा है कि जिस मादा बाघ की मौत हुई है वो पिछले दो दिनों से निगरानी मे था बाबजूद उसके उसकी मौत हो गई। बाघ की इस तरह की मौत ने वन विभाग की निगरानी, सुरक्षा और टाइगर स्टेट के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन अमले ने घटना स्थल पर तवा नगर पुलिस को नहीं जाने दिया गया,जिससे कई तरह के सवाल खडे हो रहे है। बुधवार देर शाम जारी वन मंडल अधिकारी नर्मदापुरम के प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वनमंडल नर्मदापुरम अंतर्गत परिक्षेत्र इटारसी की बीट सोनतलाई क्षेत्र में विगत दो दिनों से एक बाघ की निगरानी की जा रही थी। गत दिवस बाघ के कल के स्थान पर ही पाए जाने एवं शरीर में किसी प्रकार की हलचल नहीं पाए जाने पर पास जाकर देखने पर मादा बाघ मृत पाया गया। मुख्य वन संरक्षक, वृत्त नर्मदापुरम, वनमंडल अधिकारी नर्मदापुरम, डॉग स्क्वाड, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चिकित्सकों की टीम, एनटीसीए द्वारा मनोनीत चिकित्सक, तहसीलदार इटारसी, ग्राम पंचायत रानीपुर के सरपंच एवं वन अमले की उपस्थिति में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप विधिवत पोस्टमार्टम की कार्रवाई संपन्न की गई। मृत्यु के कारणों की वैज्ञानिक पुष्टि हेतु अधिकृत प्रयोगशाला भेजने हेतु बाघ का विसरा एकत्रित किया गया। वन मंडल अधिकारी के अनुसार चिकित्सक दल द्वारा किए गए प्रारंभिक परीक्षण के आधार पर बाघ की मृत्यु संभवतः पेट में संक्रमण के कारण होना प्रतीत होती है। पोस्टमार्टम के दौरान बाघ के सभी अवयव सुरक्षित पाए गए, जिससे किसी भी प्रकार की अवैध शिकार के संकेत नहीं मिले हैं। जिसकी पुष्टि हेतु सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के डॉग स्क्वाड द्वारा भी आसपास के क्षेत्र की खोजबीन करवाई गई। बाघ के समस्त अवयवों सहित सभी अधिकारियों की उपस्थिति में राख होने तक शवदाह किया गया। बाघ की मृत्यु का वास्तविक एवं अंतिम कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के उपरांत ही सुनिश्चित किया जाएगा।

अगस्त 2025 में नर्मदापुरम जिले में 10 दिनों के भीतर हुई थी दो बाघों की मौत

पहली मौत (12 अगस्त 2025)ः एसटीआर के लगदा बीट में 11-12 साल के बाघ की मौत हुई। अधिकारियों ने इसे आपसी लड़ाई का नतीजा बताया। दूसरी मौत (22 अगस्त 2025) तवा नदी के समीप, बढ़ चापड़ा के पास, बाघ का शव मिला। गंभीर बात यह रही कि उसका एक पंजा गायब था, जिससे शिकार का शक गहरा गया।

पमरे जोन की महाप्रबंधक शोभना पहुंची इटारसी, जनप्रतिनिधियों से की चर्चा

इटारसी। आज पमरे जबलपुर जोन की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय वंदेभारत एक्सप्रेस से इटारसी पहुंची। उनके साथ भोपाल मंडल के डीआरएम पंकज त्यागी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि वे भोपाल से इटारसी आयी है प्लेटफार्म नंबर एक पर स्टेशन प्रबंधक कार्यालय मे महाप्रबंधक ने सांसद ओर क्षेत्रीय विधायक से रेल स्टेशन के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की।कुछ देर यहां रुकने के बाद वे सीधे यार्ड के लिये रवाना हो गई।

गौड़ बाबिसा ब्राह्मण समाज की नर्मदापुरम शाखा का पुनर्गठन, जोशी बने सचिव

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय आदि गौड़ बाबिसा ब्राह्मण समाज की शाखा नर्मदापुरम का पुनर्गठन निर्विरोध संपन्न हो गया। समाज के सदस्यों की सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।इस मौके पर पूर्व शाखा सचिव गोविंद पराशर को जिला अध्यक्ष, राजेश माकवे को उपाध्यक्ष, पत्रकार पीताम्बर जोशी को सचिव तथा संतोष शर्मा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों, मातृशक्ति और सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।समाजजनों ने भरोसा जताया कि नई टीम संगठन को नई दिशा देगी और समाजहित में रचनात्मक कार्यों को गति प्रदान करेगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज उत्थान, संगठन मजबूती और सामाजिक एकता के लिए संकल्प लिया।

युवक की संदिग्ध मौत, ज्ञापन सौंपकर कहा- निष्पक्ष हो जांच

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर के न्यास कॉलोनी खेड़ा बाईपास रोड पर 12 जनवरी की रात मिले युवक के शव का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। कांसखेड़ा निवासी 30 वर्षीय मोहित चौधरी की संदिग्ध मौत को लेकर परिजन और समाजजन पुलिस जांच से संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। घटना को 10 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं होने से आक्रोश बढ़ता जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि मोहित चौधरी के साथ लूटपाट कर बेरहमी से मारपीट की गई और उसकी हत्या की गई है, जबकि पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच में इसे दुर्घटना बताया जा रहा है। मृतक के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए थे, जिससे मामला पूरी तरह संदेह के घेरे में है। घटनास्थल की परिस्थितियां भी कई सवाल खड़े कर रही हैं।

इसी को लेकर युवा यूथ ब्रिगेड और समाजजनों ने मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) इटारसी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र और गहन जांच की मांग की गई है। समाजजनों ने मांग की कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और साक्ष्यों की बारीकी से जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

शिवरात्रि मेले को लेकर एसडीएम ने किया निरीक्षण

बिजली और पेयजल व्यवस्था के हों इंतजाम

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल तिलक सिंदूर में आगामी महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इटारसी से लगभग 18 किलोमीटर दूर पहाड़ी गुफा में विराजमान भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए इस वर्ष 14 से 16 फरवरी तक तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए इटारसी एसडीएम नीलेश शर्मा ने प्रशासनिक अमले के साथ मंदिर परिसर का निरीक्षण किया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने इस बार विशेष यातायात व्यवस्था की है।श्रद्धालु के मंदिर में प्रवेश और वापसी के रास्ते की व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली। बताया कि मंदिर से वापसी के लिए तिलक सिंदूर से खटामा, अमांडा और तीखड़ रोड का उपयोग किया जाएगा। एसडीएम नीलेश शर्मा ने निरीक्षण के दौरान मंदिर की पुताई, गार्डन की सफाई, बिजली की सुचारू व्यवस्था और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पानी की व्यवस्था के लिए स्टॉप डैम में गेट लगाए जाएंगे। पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण होगा। वाहनों के व्यवस्थित खड़ा करने के लिए अलग से पार्किंग जोन बनाए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक और विभागीय अधिकारियों की पूरी टीम मौजूद रही, जिनमें तहसीलदार सुनीता साहनी, जनपद पंचायत केसला सीईओ सुमन खातरकर, एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा, और थाना पथरोटा प्रभारी संजीव पवार शामिल थे। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी, बिजली विभाग पंचलाल सरयाम, पीएचई, स्वास्थ्य विभाग और वन विभाग के अधिकारियों को भी उनकी जिम्मेदारियां सौंपी हैं। मेला समिति की ओर से अध्यक्ष नारायण बाबरिया, जनपद सदस्य सुनील नागले, संतोष राजपूत, सुनील चीचाम, अभिषेक और करतल काजले सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

संभाग स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता में नर्मदापुरम का रहा दबदबा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

वीर सावरकर स्टेडियम में संभाग स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें हरदा, बैतूल, रायसेन तथा नर्मदापुरम की टीम ने भाग लिया। बालक तथा बालिकाओं की चार-चार टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिताए लीग कम नॉकआउट पद्धति से हुई। उपस्थित अतिथि एसडीएम निलेश शर्मा, किसान मोर्चा जिलाअध्यक्ष एवं जेआरयूसीसी मेंबर योगेंद्र सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष जय किशोर चौधरी, कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष शिवाकांत पांडे, मंडल अध्यक्ष राहुल चोरे, कन्हैया गोस्वामी नगर अध्यक्ष कॉंग्रेस, महामंत्री शैलेंद्र दुबे का पिट्ठू संघ जिलाध्यक्ष अशोक मालवीय, जिला सचिव जाफर सिद्दीकी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र परिहार तथा उपाध्यक्ष चंचल पटेल ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। प्रतियोगिता के फाइनल में नर्मदापुरम का मुकाबला रायसेन जिले की टीम से हुआ, जिसमें बालक वर्ग की टीम ने 16 के विरुद्ध 123 पॉइंट से एक तरफ जीत लिया, वहीं बालिका वर्ग का मुकाबला बैतूल वर्सेस नर्मदापुरम के बीच हुआ जिसमें नर्मदापुरम की टीम ने 88 अंक बनाकर सामने वाली टीम को 40 अंकों पर समेट दिया और इस मैच को जीत लिया। जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण उमा पटेल, समन्वयक महेंद्र पचलानिया के साथ ही प्रतियोगिता प्रभारी अश्वनी मालवीय ने बताया कि बालक वर्ग प्रथम नर्मदापुरम, द्वितीय रायसेन, तृतीय बैतूल तथा बालिका वर्ग में प्रथम नर्मदापुरम, द्वितीय बैतूल एवं तृतीय हरदा जिले की टीम रही। जानकारी देते हुए पिट्ठू एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष तथा सचिव जाफर सिद्दीकी ने बताया कि इस संभाग प्रतियोगिता से नर्मदापुरम संभाग की टीम का चयन किया जाएगा जिसमें 10-10 खिलाड़ियों का चयन होगा। यह खिलाड़ी 28 तारीख से ग्वालियर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मर्ग दर्ज, पड़ताल जारी

करंट लगने से महिला की मौत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के ग्राम कचनारिया में बुधवार सुबह छांछ बना रही महिला की करंट लगने से मौत हो गई। गांव में रहने वाली 55 वर्षीय राधाबाई कुर्मी बुधवार सुबह अपने ही घर पर छांछ मथ रही थी। उन्होंने इलेक्ट्रिक मशीन को बर्तन में रखने के बाद जब उसका तार बिजली के बोर्ड में लगाया तो इसी दौरान उन्हें करंट लग गया। जिससे वे जमीन पर गिर गईं। जानकारी लगने पर परिजन उन्हें लेकर लेकर तुरंत ही राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने राधाबाई के पुत्र राजेश कुर्मी की शिकायत पर मर्ग कायम किया है।

स्लॉटर हाउस सील, विक्रेता का लाइसेंस होगा निरस्त

यात्री बस में मिले गौमांस के मामले में 5 लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

गौमांस के परिवहन के मामले में 5 लोगों की गिरफतारी के बाद प्रशासन सख्त और सतर्क हो गया है। पथरिया पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और मंगलवार को पुलिस अधिकारी भी सिरोंज आए। इस दौरान पथरिया पुलिस किड़ी मोहल्ला में स्थित नगर पालिका के स्लाटर हाउस भी पहुंची। एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा की मौजूदगी में नगर पालिका प्रबंधन ने स्लाटर हाउस को सील कर दिया है। पथरिया थाना प्रभारी रितुराज सिंह ने बताया कि स्लाटर हाउस पर काम करने वाले कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। वहीं मामले मांस विक्रेता कदीर कुरैशी को पुलिस रिमांड पर लिया जा रहा है।

जिला परियोजना अधिकारी जुबेर खान भी जिला पशु चिकित्सक एनके शुक्ला के साथ सिरोंज आए। वे दोनों बस स्टैंड स्थित पशु चिकित्सालय पहुंचे और इसके बाद स्लाटर हाउस भी पहुंचे। परियोजना अधिकारी जाबिर खान ने बताया कि मांस विक्रेता कदीर कुरैशी का लायसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया हमने शुरू कर दी है। वहीं जो अन्य मांस विक्रेता है। उन्हें भी नियमों से अवगत करा रहे हैं। बुधवार को मामला सामने आने के बाद हिन्दू संगठनों ने भी एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अपना गुस्सा जताया है। ज्ञापन में बताया कि पशु चिकित्सालय और पुलिस मामले को लेकर लापरवाह है। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेती तो अन्य नामों का खुलासा भी होता। विहिप और बजरंग दल ने सभी आरोपियों पर रासुका के तहत कार्रवाई कर उनके घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। हिन्दू संगठनों की शिकायत पर 26 दिसंबर को तिरूपति टेउब्रल्स की बस से 14 किलो मांस जब्त किया गया था। मथुरा लेब में जांच के बाद इसके गौमांस होने की पुष्टि हुई थी। मामले में पथरिया पुलिस ने कदीर कुरैशी, सईद कुरैशी और सोहेल खान के साथ ही बस ड्रायवर शानू खां और कंडक्टर अनवर मियां पर प्रकरण दर्ज कर गिरफतार किया है। मंगलवार को सभी को जेल भी भेज दिया गया

मेट्रो एंकर

ककरावदा में हिंदू सम्मेलन के आयोजनपर निकली शोभायात्रा

जात-पात मिटाकर ही समाज संगठित होगा: वेदांती महाराज

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गांव की तंग गलियों से उठी हिंदू चेतना की हुंकार ककरावदा में संपन्न हुए हिंदू सम्मेलन के विराट समागम में बदल गई। हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई कलश यात्रा झांकियों, डीजे पर गूंजते राष्ट्रभक्ति व भजनों और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ गांव के मुख्य मार्गों व गलियों से होते हुए आयोजन स्थल पर पहुंची। छतों से पुष्पवर्षा, घर-घर सजे मंगल कलश, रंगोलियां और गोबर से लिपे चौक-दरवाजे भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक पेश कर रहे थे। गांव की छतों पर लहराते भगवा ध्वजों ने पूरे वातावरण को आस्था और उत्सव से भर दिया। कलश यात्रा में महिलाओं ने सौभाग्य वस्त्र धारण कर सहभागिता निभाई। ट्रॉलीनुमा सजे रथ पर राम-लक्ष्मण-सीता व हनुमान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। तेज धूप के बावजूद ग्रामीण करीब पांच घंटे तक आयोजन स्थल पर डटे रहे। गांव में जगह-जगह जगदगुरु डॉ राम कमलाचार्य वेदांती का आरती व श्रीफल-शाल श्रीफल से सम्मान किया। हिंदू सम्मेलन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जगद्गुरु डॉ वेदांती जी महाराज ने कहा कि जात-पात मिटाकर ही समाज संगठित होगा और धर्म की जय संभव है। उन्होंने घर-घर पूजा, तुलसी, रामायण-पाठ और दैनिक आरती को संस्कारों की नींव बताया। बेटियों के संस्कार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि संस्कारों की पहली पाठशाला परिवार है। उन्होंने वेद-ग्रंथों, तीर्थों के ज्ञान और उच्च शिक्षा के साथ उच्च संस्कारों की आवश्यकता पर भी बल दिया। जिला प्रचारक राकेश परमार ने कहा कि भारत ने अनेक आक्रमण झेले, लेकिन संस्कृति, धर्म और संतों के आशीर्वाद से फिर खड़ा हुआ है। संगठित समाज ही भारत को विश्व नेतृत्व की ओर ले जाएगा। बाल विदुषी कृष्ण प्रिया दास ने हिंदू समाज को एकजुटता का संकल्प दिलाया। मंच पर वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास महाराज, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक रामप्रसाद अहिरवार, हीरालाल आदिवासी, राष्ट्र सेविका जिला संपर्क प्रमुख जयश्री रघुवंशी, सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम की शासकीय माध्यमिक विद्यालय ककरावदा की छात्राओं तथा सेवा भारती केंद्र गंज बासौदा की छात्राओं ने देशभक्ति प्रस्तुतियां दीं। इंदौर से पधारे कवि रुद्र प्रताप सिंह ने ओज-वीर रस की कविताओं से जोश भरा, वहीं नीलेश चतुर्वेदी ने हास्य-ओज के साथ पाठ किया।

खंड कार्यवाह योगेश त्रिपाठी ने बताया कि ककरावदा मंडल के गांव सेमरा, बालरा कला, बालरा खुर्द, सियारी, डाबर, मोरोदा, बांकची, सनाई, कांचरोद से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता हिंदू सम्मेलन में रही। घर-घर जनसंपर्क के बाद सम्मेलन में हजारों लोगों ने एक संगत-एक पंगत में बैठकर समरसता प्रसादी ग्रहण की।

न्यूज विंडो

श्री कृष्ण बस्ती में 28 जनवरी को होने वाले हिंदू सम्मेलन की तैयारियां शुरू

इटारसी। श्री कृष्ण बस्ती में 28 जनवरी आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन की तैयारियों का शुभारंभ बुधवार को पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में विधिवत भूमिपूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम भगवान श्री पशुपतिनाथ को सम्मेलन का निमंत्रण पत्र अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात आयोजन से जुड़े आमंत्रण पत्रों का वितरण भी किया गया। भूमिपूजन एवं निमंत्रण कार्यक्रम में हिंदू सम्मेलन के सह संयोजक मनोज राय, नगर प्रचारक जितेंद्र सरयाम, नगर संयोजक मेजर डॉ. पीएम पहाड़िया, कार्यक्रम संयोजक मेहरबान सिंह चौहान, सह संयोजक ममता मालवीय, राजकुमार बाबरिया, शशांक मालवीय, बॉबी बस्तवार एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम नगर संयोजक मेजर डॉ. पीएम पहाड़िया ने बताया कि पशुपतिनाथ धाम मंदिर परिसर में 28 जनवरी को हिंदू सम्मेलन का आयोजन होगा। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा के साथ होगी, कलश यात्रा पुराने जबलपुर गेट बंगलिया के पास स्थित मां दुर्गा, भगवान शंकर और हनुमान जी महाराज के मंदिर परिसर से होगी और कलश यात्रा कार्यक्रम आयोजन स्थल पशुपतिनाथ धाम मंदिर परिसर पहुंचेगी।

लापरवाही बरतने पर चार केंद्र प्रभारियों को उपार्जन कार्य से हटाया

कटनी। कटनी में धान उपार्जन में लापरवाही बरतने पर चार केंद्र प्रभारियों को आगामी दो वर्षों के लिए उपार्जन कार्य से हटा दिया गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी के सख्त निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई। जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह परिहार ने बताया कि कलेक्टर तिवारी द्वारा गठित संयुक्त जांच दल ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपार्जन केंद्र कौड़िया, हथियागढ़, निगहरा और विजयराघवगढ़ में कई अनियमितताएं पाई गईं हैं। जांच में दस्तावेजों का नियमानुसार संधारण न होना, धान की बोरियों पर स्टेंसिल और टैग का न होना, साथ ही तौल कार्य में भी खामियां मिलीं हैं।

छिंदवाड़ा के तामिया एवं आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए की दस्तक, अलर्ट जारी

छिंदवाड़ा। तामिया एवं आसपास के क्षेत्रों में एक बार फिर खूंखार वन्यजीव तेंदुए की मौजूदगी सामने आई है। ताजा मामला देर शाम का है तामिया के तुलतुला बंजारी माई मंदिर के पास का है, जहां तेंदुआ देखे जाने की सूचना मिली है। इसके बाद वन विभाग ने एहतियातन अलर्ट जारी करते हुए आम नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। वहीं वन विभाग ने भी चौकसी बढ़ा दी है।

बालाघाट जिले में साइबर फ्रॉड के मामले में लाखों रुपए का लेनदेन

बालाघाट। जिले में साइबर फ्रॉड के मामले में 22 म्यूल खातों का उपयोग कर लाखों रुपए का लेनदेन किया गया। यह जानकारी नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल से मिलने के बाद पुलिस ने इन सभी खातों की जांच शुरू कर दी है। सीएसपी वैशाली सिंह कराहलिया ने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद इन सभी खातों को तुरंत ब्लॉक कर दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि खाताधारक इस साइबर फ्रॉड में शामिल थे या नहीं।

तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के सेहरी गांव के पास हुआ हादसा, पड़ताल जारी

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर मौत, एक गंभीर घायल रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इन हादसों का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही है, जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां युवक की दर्दनाक मौत हो जाने सहित एक घायल हैं। जानकारी अनुसार गत दिवस तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर स्थित सहरी गांव के समीप एक बाइक कबाड़ से भरे मालवाहक से टकरा गई इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे प्राइवेट वाहन से घायल अवस्था में स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद युवक को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना बुधवार दोपहर 3 बजे की है।

यह घटना उस समय हुई जब सहरी गांव निवासी राजेश पिता होरी यादव और मगदूपुरा गांव निवासी खुमान पिता खिलान अहिरवार (40) अपनी बाइक से झलौन से सहरी गांव की ओर जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार सेहरी चौराहा के समीप पहुंची उनकी बाइक एक कबाड़ से भरे मालवाहक से टकरा गई। हादसे के बाद बाइक सवार उछलकर सड़क किनारे जा गिरे और इस हादसे एक युवक की मौत हो गई। मृतक के पति खिलान अहिरवार ने बताया कि खुमान कल ही भोपाल से वापस घर आया था और आज अपनी पत्नी को लेने के लिए अपनी बाइक से सेहरी गांव जा रहा था क्योंकि उसकी सुसराल वाले बहू को भेज नहीं थे जिसके कारण मेरा बेटा कल ही भोपाल से वापस आया था और आज बहू को लेने जा रहा था, लेकिन रास्ते में यह घटना हो गई मृतक के पिता का आरोप है जिस पिकअप वाहन ने टक्कर मारी है व

एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

टक्कर इतनी भीषण थी कि खुमान पिता खिलान अहिरवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। वहीं सेहरी निवासी राजेश यादव पिता होरीलाल यादव उम्र 35 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें निजी वाहन से तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने से उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद मालवाहक क्षतिग्रस्त हालत में सड़क पर खड़ा मिला उसका चालक मौके से फरार हो गया।

खुमान के सुसराल के रिश्तेदार का है और जानबूझकर यह टक्कर मारी गई है। खुमान के सुसराल वाले आए दिन बहू को लेकर मेरे बेटे से विवाद करते थे मुझे अंदेशा है कि इस घटना में खुमान के सुसराल वालों का हाथ है। क्योंकि खुमान आज अपनी पत्नी को लेने जा रहा था और बीच में यह घटना घटित हो गई। वहीं इलाज घायल व्यक्ति राजेश यादव सेहरी निवासी ने झलौन से लिफ्ट थी जो रहली से दूध बेचकर आया था। जहां घर जाते समय रास्ते में झलौन खुमान मिल गई पूछने पर उसने सेहरी जाने की बात कहीं जिसके कारण राजेश यने खुमान से लिफ्ट ली और हादसे का शिकार हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने खुमान के शव को अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है जहां आज सुबह शव का पोस्टमार्टम होगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सवारी ने की शिकायत

आरटीओ ने दी हिदायत दुर्व्यवहार फिर न दोहराएं

धार। दोपहर मेट्रो

बड़ौदा से राजगढ़ आ रहे परिवार को बस चालक ने नियत स्थान पर नहीं उतारते हुए बायपास पर आधी रात में उतार दिया था, रात के अंधेरे में दो बेटियों के साथ एक पिता सड़क पर परेशान हुआ। ऐसे में पीड़ित ने इस बात की शिकायत सीएम हेल्पा ईन पर कर दी। इसके बाद आरटीओ विभाग ने तुरंत कार्यवाही करते हुए उक्त बस को ही चौराहे पर रोक लिया तथा चालक को अपना व्यवहार सुधारने की सख्ति हिदायत दी। साथ ही चेतावनी दी कि आगे से इस प्रकार का व्यवहार किया तो बस का पंजीयन निरस्तक किया जाएगा। आरटीओ हदेश यादव के अनुसार शिकायतकर्ता जितेन्द्र बागड़िया ने बताया कि बदोड़ा,से राजगढ़ के लिए बैठे थे। वाहन प्रदीप बस द्वारा राजगढ़ आये थे, बस चालक द्वारा राजगढ़ बस स्टैंड पर न उतारते हुए, राजगढ़ बायपास पर रात्री 3 बजे बीच में ही उतार दिया गया। शिकायतकर्ता एवं उनके साथ उनकी 2 बेटियां भी थी। उक्त शिकायत के निराकरण हेतु शिकायतकर्ता को प्रातः 8:15 बजे दूरभाष संपर्क साधकर जानकारी प्राप्त की तदुपरान्त दोपहर 2: 30 बजे सोनू रेस्टोरेन्ट चौराहा धार पर वाहन को रोककर वाहन चालक को उक्त के संबंध मे स्पष्ट हिदायत देकर कहा गया कि किसी भी यात्री के साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार दौबारा न दोहराए उसके साथ ही वाहन का परमिट एवं पंजीयन निरस्त/निलंबन करने की हिदायत दी गई।

पैसों के लेन-देन को लेकर बेटे ने पिता की हत्या की

धार। दोपहर मेट्रो

ग्राम आसपुर में बेटे ने पिता की हत्या कर दी हैं, घर में पिता व पुत्र दोनों अकेले ही रहते थे। रुपयों के लेन-देन की बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। जिसके बाद आरोपी मुकेश बघेल उम्र 30 साल ने पिता कुंवरसिंह उम्र 60 साल की हत्या कर दी, आरोपी ने लोहे की रॉड से पिता पर प्राणघातक हमला किया। खून अधिक बहने के कारण कुंवरसिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी, इधर घटना के बाद से ही आरोपी बेटा मुकेश फरार हो गया है। जिसकी तलाश को लेकर दो टीमें पुलिस ने गठित की है।

जानकारी के अनुसार बाग थाना क्षेत्र की डेहरी चौकी के आसपुर गांव के फलिये मसानियापुरा में मुकेश बघेल (30) ने अपने पिता कुंवर सिंह (60) से पैसे मांगे थे। पिता पर पैसे देने से इनकार करने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मुकेश ने घर में रखी लोहे की रॉड से पिता के सिर पर कई वार किए। घटना मंगलवार देर रात की है, बुधवार सुबह पीएम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस आज सुबह गांव पहुंची व पंचनामा बनाकर मर्ग कायम किया है। मुकेश डेहरी चौकी पर गुंडा बदमाश की सूची में भी दर्ज है। मृतक के

चाचा के लड़के विकास ने घटना की सूचना गांव के सरपंच मनोहर चौहान को दी। सरपंच ने तत्काल डेहरी चौकी पुलिस को सूचित किया। हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद की। मृतक की पत्नी का निधन एक साल पहले ही हो चुका था। उनके दो बेटे और दो विवाहित बेटियां हैं। दूसरा बेटा मनोहर अलग रहता है। चौकी प्रभारी जगदीश चौहान ने बताया कि गांव से घटना की सूचना मिली थी, घटना स्थल का निरीक्षण कर हथियार को बरामद कर लिया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया हैं, आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी ने अपने पिता से पैसे मांगे थे, इसी कारण कुंवरसिंह की हत्या हुई है।

वन विभाग के जिम्मेदार नदारद

रेंजर ऑफिस पर लगे ताले आवेदक हो रहे हैं परेशान

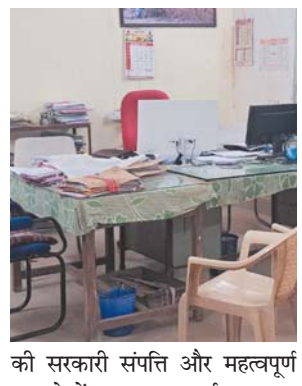

धार। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री हर रोज जनता की सेवा के लिए दिन रात एक कर कार्य कर रहे हैं तो दूसरी धार वन विभाग के कर्मचारी व अधिकारी लापरवाही करने में लगे है। पूर्व में मुख्यमंत्री ने सोमवार से शुक्रवार सरकारी कार्यालयों को 10 से 5 खोलने के आदेश दिए हैं तो दूसरी ओर शनिवार रविवार छुट्टी के रूप में रखा है उसके बाद भी कर्मचारी अपने काम के प्रति लापरवाही दिखाते हुए अन्य कार्य के लिए कार्यालय छोड़ने पर आतुर होते हैं। ऐसा ही एक मामला धार में देखने को मिला हे वहीं एक ओर सरकार अनुभूति कार्यक्रमों के जरिए आमजन और विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस आयोजन की आड़ में अपनी मूल जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। जिले में आयोजित अनुभूति कार्यक्रम के दौरान वन विभाग की ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। आयोजन के नाम पर जिले के वन विभाग कार्यालयों में बुधवार को दिनभर ताले लटके रहे। रेंजर ऑफिस गंजीखाना जैसे महत्वपूर्ण कार्यालयों के मुख्य गेट पर ताला जड़कर पूरा स्टाफ नदारद था। आलम यह था कि करोड़ों की सरकारी संपत्ति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों वाला यह कार्यालय महज एक चपरासी के भरोसे छोड़ दिया गया। दूर-दराज के क्षेत्रों से अपनी शिकायतें और आवेदन लेकर पहुंचे फरियादी घंटों इंतजार करने के बाद मायूस होकर लौट गए। वहीं यहां दोपहर में अखबार की टीम पहुंची तो कोई नहीं मिला वहीं शाम तक कार्य में ताले लगे रहे।

जब वन परिक्षेत्र कार्यालय में लटके तालों को देखकर मीडियाकर्मी इसकी जानकारी लेने डिव?जन ऑफि?स पहुंचे तो यहां के हालातों ने और चौंका दिया। आलम यह था कि यहां के कुछ विभाग सुने पडे थे तो, कुछ विभागों में ताले लटका दिए गए। यहां भी पूरे कार्यालय में प?यून मोबाइल चलाते दि?खाई दिए। वहीं मुख्य डिविजन कार्यालय में भी 2 बजे से 5 बजे तक कोई नहीं रहा वहीं पत्रकार पहुंचने की चर्चा के बाद आनन फानन में कुछ कर्मचारी कार्यालय आए। वहीं डीएफओ भी शासकीय कार्य होने के कारण कार्यालय में मौजूद नहीं थे।

स्थानीय नागरिकों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि- यदि पूरा स्टाफ एक ही कार्यक्रम में चला जाएगा, तो सामान्य जनता की सुनवाई कौन करेगा?

सूदखोरों की लगातार धमकियों से तंग आकर महिला ने पीया जहर, हालत गंभीर

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

सूदखोरों द्वारा दो दिनों से घर आकर की जा रही लगातार धमकियों और दबाव से परेशान होकर 30 वर्षीय महिला अश्विनी ने बुधवार शाम करीब 4 बजे जहर खा लिया। यह घटना नगर पालिका मंडीदीप के वार्ड नंबर 23 की है, जहां पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है और वह वर्तमान में भोपाल के एम्स अस्पताल में भर्ती है।

परिजनों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्हें पहले स्थानीय सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत अधिक गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया। एम्स में इलाज चल रहा है और महिला की स्थिति नाजुक है। पीड़िता अश्विनी ने परिजनों को बताया कि सतलापुर जोड़ पर चाय की दुकान चलाने वाले पप्पू साहू और उसकी पत्नी द्वारा उनके परिवार पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। बुधवार को जब

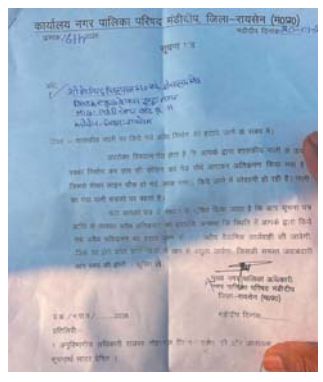

उनके पति पंकज ड्यूटी पर गए हुए थे, तब पप्पू साहू और उसकी पत्नी घर पर पहुंचे और उन्हें भला-बुरा कहते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इससे घबराकर अश्विनी ने जहर पी लिया। पति पंकज ने पुलिस को दी जानकारी के अनुसार, कोविड महामारी से पहले उन्होंने पप्पू साहू से कुछ पैसे उधार लिए थे। थोड़ा-थोड़ा करके अधिकांश राशि चुका दी गई थी, लेकिन पप्पू अब भी 50 हजार रुपये की मांग कर रहा था। इसके अलावा पप्पू के पास उनके घर के कागजात भी जमा हैं, जिनके आधार पर वह दबाव बना रहा था। मामले की सूचना मिलते ही मंडीदीप थाना पुलिस ने सूदखोर पप्पू साहू को थाने में हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस की एक टीम एम्स अस्पताल भोपाल पहुंच गई है, जहां पीड़िता के बयान दर्ज करने के बाद पप्पू साहू के नाम मुकदमा दर्ज किया गया है

ओबेदुल्लागंज एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि मंडीदीप में एक महिला द्वारा जहर खाने की घटना पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेकर आरोपित को बुलाकर पूछताछ की गई मामले में ओर भी लोग दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

मेट्रो एंकर

दमोह जिले के बालाकोट की सरकारी गोशाला में गोवंश की बदहाली

इधर-उधर बिखरे पड़े गाय कंकाल, स्वास्थ्य विभाग की टीम के उड़े होश

दमोह। दोपहर मेट्रो

जिले के नरसिंहगढ़ के बाद अब बालाकोट की सरकारी गोशाला में गोवंश की बदहाली सामने आने से सवाल खड़े हो गए हैं। दमोह ब्लॉक के बालाकोट में स्थित गोशाला में मवेशियों की मौत और इधर उधर पड़े कंकालों की घटना सामने आई है, जिसके बाद हड़कंप मच गया।

इधर मामला तूल पकड़ा तो कलेक्टर के निर्देश पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान सामने आया कि टीम के पहुंचने से पहले कुछ मृत मवेशियों के शव हटाए जा चुके थे। मौके पर केवल एक मृत गोवंश मिला। जिसका पंचनामा तैयार किया गया। बताया गया है कि जल्दबाजी में जांच कर रिपोर्ट कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर को सौंप दी गई है। पशु चिकित्सा उप संचालक डॉ. बीके असाटी ने बताया कि गौशाला का संचालन आजीविका मिशन के अंतर्गत अवंति बाई महिला स्वसहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। जांच में गंभीर लापरवाहियां उजागर हुईं। गोशाला में मवेशियों के लिए भूसा उपलब्ध नहीं था, परिसर में भारी

गंदगी थी और पीने के लिए गंदा पानी रखा गया था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 100 पशुओं की क्षमता वाली गौशाला में लगभग 200 मवेशी रखे थे। जबकि कागजों में संख्या 450 तक दर्शाई जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक यह सब अधिक अनुदान प्राप्त करने के लिए आंकड़ों में हेराफेरी के लिए किया गया। मवेशी अत्यधिक कमजोर हालत में पाए गए।

अब प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। वहीं, मामले में हैरान करने वाली बात यह है कि भूख से मवेशियों की मौत हुई और शवों को ट्रॉलियों में भरकर सुनसान इलाके में फेंक दिया। जब अधिकारी मौके पर पहुंचे तो स्थिति देखकर स्वयं हैरान रह गए। इधर, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गोशाला की यह स्थिति नियमित मॉनीटिरिंग नहीं होने की वजह से बनी है।

मामले में कई गंभीर सवाल लोगों की जुबान पर हैं। खासतौर से बालाकोट गोशाला में क्षमता से अधिक गोवंश क्यों रखे गए। जब अनुदान बाकायदा मिल रहा तो चारा और साफ पानी की व्यवस्था आखिर क्यों नदारद रही। कागजों में गोवंश की संख्या बढ़ाकर अनुदान लेने का खेल किसके इशारे पर चला। नियमित मॉनिटरिंग क्यों नहीं हुई। जिम्मेदारों पर अब तक सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इन तमाम सवालों के जवाब अब तक नहीं मिले हैं।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर द्वारा अनुभवी ठेकेदार से ई-टेंडर निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और ऐसे प्राप्त किसी भी मैन्युअल ऑफर को स्वीकार नहीं किया जाएगा। **(1) निविदा सूचना क्रमांक:** जेबीपी-ईएलपी-ओएचई-टी-2025-03, दिनांक: 16.01.2026 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** प.म.रेल/ जबलपुर डिविजन के श्रीधाम-भदनपुर रेल खंड में 1x25 केवी से 2x25 केवी अपग्रेडेशन में ट्रैक्शन सिस्टम के डिज़ाइन, आपूर्ति, परीक्षण, टेस्टिंग, निर्माण का कार्य। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 159,48,73,424/- **निविदा फॉर्म की कीमत:** निल **कार्यालय का पता:** उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर ग्राउंड फ्लोर, मुख्य परियोजना प्रबंधक (प्रोजेक्ट), कार्यालय, रेलवे स्टेडियम के बाजू में जबलपुर 482001 **बिड सिक्यूरिटी:** ₹ 81,24,400/- **समापन अवधि:** 18 माह **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** दिनांक 20.02.2026 (15.00 बजे) **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 20.02.2026 (15:30 बजे तक). निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियरिंग (प्रोजेक्ट) के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता.)

सहायक विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट), प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

टीम इंडिया का टी20 धमाका, न्यूजीलैंड की राह आसान नहीं

नागपुर की पाटा पिच पर टीम इंडिया की धमाकेदार बल्लेबाजी की दम पर न्यूजीलैंड को पहले टी20 मुकाबले में 48 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। वर्ल्ड कप के नजरिये से दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज काफी अहम है क्योंकि सीरीज के बाद भारत और श्रीलंका की सरजमीं पर ही क्रिकेट का सबसे रोमांचक टूर्नामेंट खेला जाना है।इसी वजह से वर्ल्ड कप की दो दावेदार टीमों के बीच होने वाले इन मैचों की अहमियत अधिक है।दरअसल पिछले डेढ़ सालों में जिस अंदाज में न्यूजीलैंड टीम ने भारतीय टीम को टेस्ट और वनडे सीरीज में पटखनी दी है उसके बाद इस फॉर्मेट में भी कीवी टीम कारनामा करने की फिराक में है,लेकिन सच तो यह है कि टीम इंडिया को इस फ़ॉर्मेट में हराना उसके लिए टेढ़ी खीर है। मतलब साफ है कि एक ओर जहां न्यूजीलैंड टीम का मकसद टीम इंडिया के खिलाफ उसकी जमीन पर ऑल फ़ॉर्मेट फतह हासिल करना होगा,जबकि टी20 की वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम मेहमानों का सूपड़ा साफ कर टीम के मनोबल,आत्मविश्वास को बढ़ाना चाहेगी।जिसका आगाज नागपुर में टीम इंडिया ने कर दिया है।दरअसल जिस अंदाज में टीम इंडिया ने टॉस के फैसले को नजरअंदाज करते हुए धमाकेदार जीत हासिल की है,उसके बाद एक बात तय हो गयी है कि वर्ल्ड कप में इसकी असल ताकत उसकी विस्फोटक बल्लेबाजी ही रहेगी।वैसे भी जब टीम संयोजन में मात्र 3 विशेषज्ञ गेंदबाजों को एकादश में शामिल किया जायेगा तो फिर टीम की जीत का मूल मंत्र भी बल्लेबाजों के पास ही रहेगा।टीम इंडिया के नजरिये से मौजूदा सीरीज का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहेगा कि उसकी गहराई वाली मजबूत ताबड़तोड़ बल्लेबाजी दूसरी पारी में स्कोर बोर्ड को किस तरह हैंडल करती है।दरअसलआईपीएल के युग मे फटाफट क्रिकेट के सबसे छोटे फ़ॉर्मेट के लिए टीम इंडिया में चैंपियन खिलाड़ियों की भरमार है।इसी वजह से उसकी असल ताकत किसी एक खिलाड़ी के भरोसे नहीं है।तिलक वर्मा की गैरमौजूदगी हो या फिर कप्तान सूर्यकुमार का फॉर्म हो टीम इंडिया के लिए कुछ भी कमजोर कड़ी नहीं बन पाती है।अगर हम टीम संयोजन की बात करें तो फिर जब से टीम इंडिया के हेड कोच गंभीर बनी हैं तभी से मैनेजमेंट ने टीम में आलराउंडर को विशेषज्ञ गेंदबाजों से ज्यादा अहममियत दी है।टेस्ट मैचों ओर वनडे में यह प्रयोग भले ही कारगर साबित नहीं रहा,लेकिन टी20 में यही टीम इंडिया की ताकत को दोगुना करती है।ऐसा ही कुछ मजबूत संयोजन इस सीरीज में भी देखने को मिलेगा।नागपुर में खेले गये पहले मुकाबले जैसा टीम संयोजन पूरी सीरीज में नजर आ सकता है।जहां एकादश में 5 विशुद्ध बल्लेबाज नजर आएंगे,वहीं गेंदबाजी का जिम्मा 3 गेंदबाज ओर इतने ही आलराउंडर निभाते नजर आयेंगे। खिलाड़ियों की अदला बदली पूरी सीरीज में दिख सकती है,क्योंकि वर्ल्ड कप के बड़े मैचों के लिए खिलाड़ियों को परखने ओर संयोजन के लिहाज से सीरीज अहम है।टीम इंडिया के संयोजन की सबसे दमदार कड़ी उसका लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन भी है।अगर हम बल्लेबाज और आलराउंडर पर नजर डालें तो फिर 8 में से 5 बल्लेबाज बांये हाथ के हैं।इस तरह के संयोजन का सबसे बड़ा फायदा यही कहा जा सकता है कि कोई भी खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर बाजी पलटने की काबलियत रखता है।शायद यही वजह है कप्तान सूर्यकुमार समेत किसी भी खिलाड़ी का बल्लेबाजी क्रम इस टीम में तय नहीं रहता है।ईशान किशन,रिंकू सिंह,अक्षर पटेल,हार्दिक पंड्या,शिवम दुबे,श्रेयष अय्यर या फिर हर्षित राना कोई भी किसी भी क्रम पर खेल कर बाजी पलटने की दम रखते हैं।वैसे टी20 फ़ॉर्मेट की खूबी भी यही है कि कोई भी एक खिलाड़ी का धमाका हारी हुई बाजी पलट सकता है।यही नागपुर के पहले मैच में भी देखने को मिला जब अभिषेक शर्मा की विस्फोटक शुरुआत को रिंकू सिंह ने अंजाम दिया।अब जब टीम इंडिया के पास टॉप 2 बल्लेबाज के बाद यह बल्लेबाजी क्रम हो तो उसको काबू में रखना पूरी सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए बेहद कठिन चुनौती रह सकती है।बल्लेबाजी की ताकत के बाद इस टीम में 3 चैंपियन गेंदबाजों (बुमराह,चक्रवर्ती ,अर्शदीप)की मौजूदगी भी टीम इंडिया को बेहद खतरनाक बना देती है,हालांकि काल खेले गए पहले मैच में सभी गेंदबाज की धुनाई हुई जिस वजह से मैनेजमेंट के दिमाग मे कुछ सलवटें भी आयी होंगी।सही मायने में इन गेंदबाजों का सीरीज में असल टेस्ट तब होगा जब न्यूजीलैंड इसी तरह की सपाट पिच पर पहले बल्लेबाजी करेगी। सीरीज का फैसला कुछ हो लेकिन एक बात तय है कि सीरीज का आगाज इतना विस्फोटक है तो फिर अंजाम भी दिलचस्प ही होगा।सच तो यह है कि न्यूजीलैंड टीम का मिशन इस सीरीज में जो भी हो लेकिन इस फ़ॉर्मेट में टीम इंडिया को शिकस्त देना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

टी-20 सीरीजः अभिषेक शर्मा ने कूट डाला कीवी गेंदबाजों को

35 गेंदों में खेली 84 रनों की शानदार पारी कई रिकार्ड भी लिए अपने नाम

नागपुर, एजेंसी

अभिषेक शर्मा टी20 क्रिकेट में लगातार अपनी धाक मजबूत करते जा रहे हैं। दुनिया के नंबर-1 रैंक वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज़ ने बुधवार (21 जनवरी) को नागपुर में खेले गए पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड की गेंदबाज़ी की धज्जियां उड़ाते हुए 35 गेंदों पर शानदार 84 रन की पारी खेली। पहले बल्लेबाज़ी के लिए उतरी भारतीय टीम को एक बार फिर शुरुआती बढ़त अभिषेक के निडर स्ट्रोकप्ले से मिली। उन्होंने अपनी 84 रनों की पारी में 8 छक्के और 5 चौके लगाए। महज 22 गेंदों में उन्होंने फिफ्टी जमाई। भले ही वह शतक से 16 रन दूर रह गए, लेकिन तब तक वह न्यूजीलैंड को भारी नुकसान पहुंचा चुके थे।

इस पारी के साथ अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में 5000 रन भी पूरे कर लिए और ऐसा करने वाले इस प्रारूप के इतिहास में 131वें खिलाड़ी बन गए। हालांकि, जो बात उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है इन रनों की रफ्तार। 5000 टी20 रन बनाने वाले सभी बल्लेबाज़ों में अभिषेक का स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा है। उन्होंने शानदार 172.54 के स्ट्राइक रेट से यह मुकाम हासिल किया। अभिषेक ने यह उपलब्धि 165 पारियों में हासिल की और वह 5000 टी20 रन पूरे करने वाले चौथे सबसे तेज़ भारतीय बल्लेबाज़ बन गए।

फिफ्टी जड़कर भी बनाया रिकॉर्ड

अपने सातवें टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक के दौरान अभिषेक ने एक और विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने महज 22 गेंदों में फिफ्टी पूरी करते हुए 25 गेंदों से कम में अपना आठवां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जमाया, जो इस प्रारूप में किसी भी बल्लेबाज़ द्वारा सबसे अधिक है। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के फिल साल्ट, वेस्टइंडीज़ के एविन लुईस और अपने कप्तान सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम सात-सात ऐसे अर्धशतक दर्ज हैं।

सूर्या ने वर्ल्ड कप से पहले हासिल किया बड़ा मुकाम,

कप्तान ने टी-20 में 9000 रन किए पूरे, फॉर्म में भी लौटे

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार, 21 जनवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में फॉर्म में वापसी के संकेत दिए। इस मैच में वह लय में दिखे। इस दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में 9,000 रन भी पूरे किए। ऐसा करने वाले वह तीसरे सबसे तेज़ भारतीय बल्लेबाज़ बने। मैच से पहले खराब दौर से गुजर रहे सूर्यकुमार लगातार 22 पारियों से अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। उनका पिछला अर्धशतक अक्टूबर 2024 में हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ आया था। नंबर चार पर बल्लेबाज़ी करते हुए भारतीय कप्तान ने आत्मविश्वास और सहजता के साथ 22 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल था। ऐसा लग रहा था कि वह इस शुरुआत को लंबे समय से इंतज़ार कर रहे अर्धशतक में तब्दील कर लेंगे, लेकिन मिचेल सैंटनर की गेंद पर आउट हो गए। इसके बावजूद यह पारी खास रही क्योंकि इसके साथ ही उन्होंने टी20 क्रिकेट में 9,000 रन का आंकड़ा पार कर लिया और ऐसा करने वाले कुल चौथे भारतीय बल्लेबाज़ बन गए।

चिन्नास्वामी लौटेगी आरसीबी?

सरकार की सशर्त मंजूरी के बाद केएससीए ने कहा- गेंद अब टीम के पाले में

बंगलूरू। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने स्पष्ट किया है कि आईपीएल 2026 में अपने सभी घरेलू मुकाबले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलने की जिम्मेदारी अब पूरी तरह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से सशर्त अनुमति मिलने के बाद अब गेंद आरसीबी के पाले में है और उन्हें बंगलूरू लौटकर अपने प्रशंसकों के साथ खड़ा होना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम को सशर्त हरी झंडी दे दी है और उन्हें जल्द ही बिना शर्त अनुमति मिलने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा, इतना सब करने के बाद मैं ईमानदारी से उम्मीद करता हूं कि आरसीबी अपने सभी सात घरेलू मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही खेलेगी। बंगलूरू के प्रशंसकों ने फ्रेंचाइजी को शुरुआत से ही अपार समर्थन दिया है और अब आरसीबी की जिम्मेदारी है कि वह अपने शहर के साथ खड़ी रहे।

आरसीबी को सरकार से संवाद आगे बढ़ाना होगा

4 जून को आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद से चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट गतिविधियां ठप थीं। इसके बाद स्टेडियम की सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को लेकर व्यापक सुधार कार्य शुरू किए गए। प्रसाद ने मुंबई, पुणे या रायपुर में आरसीबी के घरेलू मैचों के संभावित स्थानांतरण की अटकलों पर कहा कि अब संघ ने अपना काम कर दिया है। उन्होंने कहा, अब आरसीबी को आगे आकर सरकार के साथ संवाद करना चाहिए। अभी तक प्रयास एकतरफा रहे हैं। यह बेंगलुरु से क्रिकेट को दूर ले जाने का समय नहीं है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

शाहरुख को नहीं जानती ये टर्किश एक्ट्रेस , बोलीं- नहीं हूं उनकी फैन

रोमांस के किंग शाहरुख खान हाल ही में जॉय अवॉर्ड्स 2026 के लिए रियाद पहुंचे थे। अवॉर्ड सेरेमनी में उन्होंने लाइमलाइट लूट ली थी। इवेंट का एक वीडियो खूब वायरल हुआ जिसमें टर्किश एक्ट्रेस ॥डुठुस्नद्द श्वह्यद्दिद्य को स्टेज पर खड़े किंग खान को कैमरे में रिकॉर्ड करते देखा गया। सोशल मीडिया पर उन्हें शाहरुख की फैन गर्ल बुलाया जाने लगा। लेकिन अब एक्ट्रेस ने इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट लिखकर खुलासा किया है कि ऐसा कुछ भी नहीं है।

वायरल वीडियो में शाहरुख खान के साथ मिस्र की हसीना अमीना खलील स्टेज पर थीं। ये नजारा Hande Erçel कैप्चर कर रही थीं।

लेकिन सच ये है कि वो शाहरुख खान को नहीं बल्कि अपनी दोस्त अमीना खलील को कैप्चर कर रही थीं। एक्ट्रेस ने इंस्टा स्टोरी पर शाहरुख और अमीना की ऑनस्टेज फोटो शेयर कर किंग खान को मेंशन करते हुए लिखा- कौन है ये अंकल? आगे वो लिखती हैं- मैं बस अपनी दोस्ती अमीना को रिकॉर्ड कर रही थी। मैं उनकी फैन नहीं हूं। प्लीज सोशल मीडिया पर झूठी अफवाहों को फैलाना बंद करो। टर्किश एक्ट्रेस का ये पोस्ट इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल होने लगा। अब Hande Erçel ने इस पोस्ट को इंस्टा स्टोरी से डिलीट कर दिया है। यूजर्स को यकीन नहीं हो रहा कि वो बॉलीवुड के बादशाह के लिए ऐसी बात कह सकती हैं। किंग खान के फैंस ये पोस्ट देख ऑफेंड हो गए हैं।

किंग खान की टाइगर में होने वाली थीं कास्ट

Hande Erçel काफी वक्त से इंडियन प्रोजेक्ट्स करने को लेकर इंटरेस्टेड हैं। जानकारी के मुताबिक, वो सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में कास्ट होने वाली थीं। क्योंकि फिल्म के कुछ हिस्से को टर्की में शूट किया गया था। लेकिन वो इस फिल्म में नजर नहीं आईं। अपने एक इंडिया विजिट के दौरान Hande Erçel ने बॉलीवुड में काम करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने आमिर और ऋतिक रोशन संग काम करने की बात कही थी। ऐसे में जब वो बॉलीवुड और यहां के कलाकारों को इतना एडमायर करती हैं तो फिर कैसे शाहरुख खान को नहीं जानती? ये भी एक कारण है कि यूजर्स को एक्ट्रेस की पोस्ट पर यकीन नहीं हो रहा। वो इसकी ऑथेंटेसिटी पर भी सवाल उठा रहे हैं। इवेंट में किंग खान का स्टाइलिश लुक देखने को मिला था।

देश छोड़ दुबई में बसाया सलमान की हीरोइन ने घर,

ग्लैमर वर्ल्ड की कई हसीनाएं हैं, जो किसी ना किसी वजह से एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस घर-गृहस्थी में बिजी हैं। कुछ ने अपना बिजनेस सेट कर लिया है। अब रिमी सेन को लेकर भी बहुत सारी बातें कही जा रही हैं। रिमी को हंगामा, धूम, गोलमाल, और फिर हीरा फेरी जैसी मूवी के लिए जाना जाता है। सलमान खान और आमिर खान जैसे दिग्गजों के साथ काम करने वाली रिमी लाइमलाइट से दूर हैं। जानते हैं कि

बनी रियल स्टेट एजेंट बोलीं- लाइफ बेहतर है...

इंडस्ट्री छोड़कर वो क्या कर रही हैं। बॉलीवुड डीवा रिमी सेन अब इंडिया छोड़कर दुबई में शिफ्ट हो चुकी हैं। दुबई में रिमी अब कैमरे के सामने नहीं, बल्कि रियल एस्टेट एजेंट के तौर पर काम कर रही हैं। एक्ट्रेस ने Buildcaps Real Estate LLC को दिए इंटरव्यू में अपने प्रोफेशन को लेकर बात की।

रिमी कहती हैं कि दुबई दुनियाभर के लोगों का स्वागत करता है। फिल्म बैकग्राउंड वालों का भी वेलकम करता है। यहां रियल एस्टेट स्मूथ चलता है, क्योंकि डिसिप्लिन है। एजेंट्स और एजेंसीज के साथ काम करना पड़ता है। डेवलपर्स अपना काम करते हैं, एजेंसीज अपना। सिस्टम सही है।

प्लास्टिक सर्जरी प र बोलीं एक्ट्रेस

रिमी लंबे समय बाद जब पब्लिक प्लेस पर दिखीं, तो ऐसे कयास लगने लगे कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी कराई है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को ऐसा लगता है कि मैंने प्लास्टिक सर्जरी कराई है, तो ये अच्छी चीज है। मैंने सिर्फ फिलर्स, बोटॉक्स और पीआरपी ट्रीटमेंट करवाया है। रिमी कहती हैं कि 50 की उम्र के बाद मैं प्लास्टिक सर्जरी के बारे में सोच सकती हूं। एक्ट्रेस कहती हैं कि प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत तभी पड़नी चाहिए, कोई अपराध करने के बाद फरार होना चाहे। इंडिया के बाहर कई अच्छे डॉक्टर हैं, जो फेसलिफ्ट में एक्सपर्ट हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में निवेश के बंपर मौके आंध्र-कर्नाटक से लेकर गुजरात तक बड़ी कंपनियों के रडार पर

नई दिल्ली(वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक 2026 के दौरान भारत के राज्यों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अपनी मजबूती का लोहा मनवाया है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और झारखंड के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने दावोस में दुनिया की दिग्गज कंपनियों के साथ चर्चा की हैं। इस बार का फोकस पारंपरिक उद्योगों से हटकर ग्रीन एनर्जी, डेटा सेंटर्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सस्टेनेबिलिटी पर है।

आंध्र प्रदेश- ब्रुकफील्ड के साथ 12 अरब डॉलर की साझेदारी पर काम
तेज- आंध्र प्रदेश सरकार ने निवेश के मामले में आक्रामक रुख अपनाया है। राज्य के आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंटके साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया है।
कर्नाटक: रिन्यू पावर और जाइलम के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा
कर्नाटक के भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने रिन्यू पावर, जाइलम इंक और ऑक्टोपस एनर्जी के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन चर्चाओं का उद्देश्य राज्य में रिन्यूएबल एनर्जी और जल अवसंरचना को आधुनिक बनाना है।
गुजरात- धोलेरा और गिफ्ट सिटी को बताया बेस्ट इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन-
गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने राज्य की नीति-संचालित शासन और स्थिरता को निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बताया।
फिनटेक और डेटा हब- संघवी ने कहा कि धोलेरा स्मार्ट सिटी डेटा सेंटर्स के लिए और गिफ्ट सिटी फिनटेक कंपनियों के लिए दुनिया की सबसे बेहतरीन जगह बनकर उभरी है।

भारत की अर्थव्यवस्था पकड़ेगी रफ्तार अगले 5 साल 6-8% ग्रोथ का अनुमान

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रही वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान भारत ने वैश्विक निवेशकों को अपनी आर्थिक मजबूती का भरोसा दिलाया है। केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि मध्यम मुद्रास्फीति और मजबूत बुनियादी ढांचे के दम पर भारत अगले पांच वर्षों में तेज गति से विकास करना जारी रखेगा। सीआईआई (सीसीई) और ईबाई (ईबाई) की ओर से आयोजित बेट ऑन इंडिया- बैंक ऑन द फ्यूचर सत्र में बोलते हुए, वैष्णव ने भारतीय अर्थव्यवस्था की अच्छाईयों के बारे में बताया।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि भारत अगले पांच वर्षों में वास्तविक रूप में 6-8 प्रतिशत और सांकेतिक रूप में 10-13 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। उन्होंने इस इजाफे को बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे संरचनात्मक सुधारों और महंगाई पर नियंत्रण को श्रेय दिया। अश्विनी वैष्णव ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए आसान तरीके से परियोजनाओं की मंजूरी दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने टेलीकॉम सेक्टर का उदाहरण देते हुए बताया-

* प्रक्रिया में तेजीः टेलीकॉम टावर लगाने में लगने वाला औसत समय 270 दिनों से घटकर अब मात्र 7 दिन रह गया है।

* इंस्टेंट अप्रूवलः अब 89 प्रतिशत परमिशन जीरो टाइम यानी तुरंत मिल रही हैं।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राजनीतिक नेतृत्व की मंशा और नौकरशाही की कार्यप्रणाली के बीच के अंतर को पाटने की जरूरत है, ताकि ब्यूरोक्रेसी राजनीतिक शक्ति के साथ कदमताल कर सके।

जंगल, नदी और रोमांच का संगम...खंडवा के चारखेड़ा का जंगल कैंप बना सैलानियों का ठिकाना

प्रकृति की गोद में रंग-बिरंगी दुनिया

खंडवा। खंडवा के चारखेड़ा का शजंगल कैंप' सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बन रहा है। इंदिरा सागर बांध के बैकवॉटर तट पर बसे इस कैंप में प्रकृति की गोद में रंग-बिरंगी दुनिया सजाई गई है। वन विभाग द्वारा विकसित यह कैंप चारखेड़ा के जंगल से घिरा है, जहां तितली पार्क, ठहरने के लिए कॉटेज व टेंट बनाए गए हैं। शहर से 45 किमी दूर 14 हेक्टेयर में बना यह कैंप मध्यप्रदेश इको टूरिज्म साइट से जुड़ा है। दिसंबर से अब तक सैलानियों की अच्छी आमद रही है। लकड़ीनुमा 5 कॉटेज और 4 टेंट में परिवार व मित्र ठहर रहे हैं। नदी, जंगल और खुले आसमान के बीच सूर्योदय-सूर्यास्त के दृश्य सैलानियों को खास अनुभव दे रहे हैं।

एडवेंचर व सुविधाएं : एक माह में 30 परिवार कैंप में ठहर चुके हैं। यहां चूल्हे पर बने पारंपरिक व्यंजन मिलते हैं। तितली पार्क, बोटिंग, 1 किमी नेचर ट्रेल, साइक्लिंग ट्रेल, क्लाइंबिंग नेट, वॉल क्लाइंबिंग, टायर वॉक, वर्मा ब्रिज और आर्चरी की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

न्यूज विंडो

बस-लॉरी की टक्कर के बाद लगी आग, दो चालकों की मौते

नांदियाल। आंध्र प्रदेश के नांदियाल जिले से एक बेहद भयावह सड़क दुर्घटना की खबर सामने आई है। नांदियाल-अल्लागड्डा मार्ग पर सिरिवेल्ला मेट्टा के पास एक यात्री बस और कंटेनर लॉरी के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के तुरंत बाद बस में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इस हादसे में बस चालक और ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। राहत की बात यह रही कि बस में मौजूद सभी यात्री समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना एक निजी ट्रैवल्स की बस के साथ हुई। बताया जा रहा है कि बस का टायर अचानक फट गया, जिससे चालक का संतुलन बिगड़ गया। अनियंत्रित बस डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रही मोटरसाइकिलों से भरी कंटेनर लॉरी से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस और लॉरी दोनों में आग लग गई।हादसे के बाद बस में फंसे यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी।

पाकिस्तान का लाहौर बना दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

लाहौर। पाकिस्तान का लाहौर शहर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर घोषित किया गया है। स्विट्ज़रलैंड स्थित वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था IQAir के अनुसार, लाहौर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 452 दर्ज किया गया, जो बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। पाकिस्तान के प्रमुख अख़बार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, लाहौर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में पहले स्थान पर रहा। वहीं, कराची AQI 179 के साथ नौवें स्थान पर रहा।पाकिस्तान बीते कुछ वर्षों से गंभीर वायु प्रदूषण संकट का सामना कर रहा है। खासकर सर्दियों के महीनों में लाहौर और पंजाब के अन्य शहरों में स्मॉग बड़ी समस्या बन जाता है। इसका मुख्य कारण औद्योगिक धुआं, वाहनों से निकलने वाला प्रदूषण, पराली जलाना और हवा की धीमी गति बताया जा रहा है। मंगलवार को IQAir ने पाकिस्तान के लिए एयर क्वालिटी अलर्ट जारी किया था। उस समय लाहौर का AQI 501 तक पहुंच गया था, जबकि कराची AQI 178 के साथ दुनिया के छठे सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल था।

स्नान विवाद: प्रशासन ने दूसरा नोटिस भेज अविमुक्तेश्वरानंद को दी चेतावनी

आपके कृत्य से बिगड़ी व्यवस्था माघ मेले से बैन कर दिया जाएगा

प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के अंदर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस भेजा है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और जबरन भीड़ में पालकी घुसाने को लेकर सवाल किए हैं। पूछा है कि क्यों न आपको हमेशा के लिए माघ मेले से बैन कर दिया जाए।

अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगी राज ने कहा, 'सरकार अब बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। पंडाल के पीछे गुपचुप तरीके से नोटिस चस्पा कर दिया। बुधवार देर रात प्रशासन का एक कर्मचारी शिविर में आया। उसने कहा कि आपने इस नोटिस का जवाब नहीं दिया। तब जाकर हमें इसकी जानकारी हुई।'

उन्होंने कहा, 'हमने नोटिस देखा तो उस पर 18 फरवरी की डेट पड़ी थी। यानी, उसे बैक डेट पर जारी करके चस्पा किया गया था। फिलहाल, नोटिस का जवाब तैयार है। जल्द प्रशासन को दिया जाएगा'

दूसरे नोटिस में अविमुक्तेश्वरानंद से 2 सवाल किए: प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद से पूछा है- मौनी अमावस्या के दिन आपने इमरजेंसी के लिए रिजर्व पांटून पुल पर लगा बैरियर तोड़ा। बिना अनुमति के बग्घी के साथ संगम की ओर जाने की कोशिश की। इससे भगदड़ का खतरा पैदा हो गया। आपके चलते सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ। श्रद्धालुओं को वापस भेजने में दिक्कत हुई। आपके कृत्य से व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुई।

यह है मामला

18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और पैदल जाने को कहा। विरोध करने पर शिष्यों से धक्का-मुक्की हुई। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरानंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए थे।

आपने खुद को शंकराचार्य बताते हुए मेले में बोर्ड लगाए हैं। जबकि आधिकारिक रूप से आपके शंकराचार्य होने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक है। अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं रद्द की जा सकती हैं। इससे पहले, सोमवार रात 12 बजे कानूनगो अनिल कुमार मेला प्रशासन का नोटिस लेकर शंकराचार्य के शिविर पहुंचे थे। हालांकि, शिष्यों ने रात को नोटिस लेने से मना कर दिया था। इसके बाद मंगलवार सुबह 8 बजे कानूनगो अनिल कुमार दोबारा पहुंचे और शिविर के गेट पर पहला नोटिस चस्पा किया था।

इसमें सुप्रीम कोर्ट के 14 अक्टूबर 2022 के एक आदेश का हवाला देते हुए पूछा गया था कि उन्होंने खुद को शंकराचार्य कैसे घोषित कर लिया। 12 घंटे बाद, यानी मंगलवार रात 10 बजे अविमुक्तेश्वरानंद ने 8 पन्नों का जवाब मेला प्रशासन को भिजवाया। अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन को चेतावनी दी थी कि अगर नोटिस वापस नहीं लिया गया, तो वह मानहानि का केस करेंगे।

अंबाला के कांग्रेस नेताओं से बोले राहुल गांधी

घबराओ मत, आने वाला वक्त हमारा ही होगा...

अंबाला, एजेंसी

कुरुक्षेत्र में कांग्रेस के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को निडर होकर काम करने को कहा। वहीं, हालातों से न घबराने और आत्मविश्वास लाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने अंबाला के नेताओं से भी बातचीत की और उनको राजनीति के गुर सिखाए।

अंबाला कैंट और शहर के अध्यक्ष से मिले तो स्थानीय राजनीति पर चर्चा हुई, जबकि इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अंबाला में पहले क्या कुछ होता रहा है, उनको सब पता है। इस दौरान उन्होंने अंबाला कैंट से अध्यक्ष परविंदर सिंह परी, शहर अध्यक्ष पवन अग्रवाल डिंपी से मुलाकात की।

राहुल गांधी ने साफ कहा कि अब समय आ गया है कि हम रक्षात्मक होकर मुकाबला करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि चिंता न करें, आने वाला समय अच्छा रहेगा। सभी अपने जिलों को मजबूत करें। उन्होंने इस दौरान हर जिले के अध्यक्षों से बातचीत की और उनको सुना। इस दौरान अंबाला के नेताओं से राहुल गांधी मिले तो अंबाला की राजनीति पर भी चर्चा हुई। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि उनको पता है कि अंबाला में क्या कुछ होता रहा है। इशारा साफ था कि कैसे पार्टी नेताओं ने बगावत की और फिर दूसरी पार्टी ज्वाइन की और बाद में फिर कांग्रेस ज्वाइन कर गए।

मुकाबला आक्रामक होकर नहीं रक्षात्मक होकर भी होता है

जिला कांग्रेस कमेटी शहरी अध्यक्ष पवन अग्रवाल डिंपी ने बताया कि राहुल गांधी के साथ काफी अच्छी मुलाकात हुई है। एक घंटा फोटो में लग गया। पहले परिवार के साथ एक मिनट मुलाकात हुई। उसके बाद बीच-बीच में चर्चा होती रही। कुल 60 लोग थे, जो तीन घंटे साथ रहे।उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि संविधान को बचाना है, महात्मा गांधी के विचारों से अहिंसा से मुकाबला करना है। अगर मिलकर लड़ेंगे, किसी को बड़ा छोटा न समझें। नेता कार्यकर्ता एक समान मानकर चलें। उनकी ओर से सभी को प्रेरित किया।

'बेटी बचाओ अभियान' की सालगिरह पर पीएम की खास पोस्ट

एक कन्या 10 पुत्रों के समान...

नई दिल्ली। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान' के 11 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने एक खास पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को सुभाषित का एक श्लोक याद दिलाया, जिसमें कहा गया है कि एक कन्या 10 पुत्रों के समान होती है। जो पुण्यफल एक व्यक्ति को 10 पुत्रों के पालन-पोषण से मिलता है, वही फल उसे केवल एक कन्या के पालन-पोषण से मिल जाता है।

पीएम मोदी ने पोस्ट किया, 'कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नए रिकॉर्ड बना रही हैं। दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान् प्रवर्धयन। यत् फलम् लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकया।'

प्रधानमंत्री मोदी ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें संस्कृत में 'दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान् प्रवर्धयन। यत् फलम् लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकया' दिख रहा है। इसके बाद हिंदी और इंग्लिश दोनों भाषाओं में उसका अर्थ समझाया जाता है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' भारत की केंद्र सरकार का एक सामाजिक अभियान है, जिसकी शुरुआत 22 जनवरी 2015 को हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य लड़कियों के अस्तित्व, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। खासतौर पर भारत के उन जिलों में जहां शिशु लिंगानुपात में कमी है, और उसके लिए समाज के लोगों के बीच जागरूकता और कल्याणकारी सेवाओं में फोकस किया जाता है।

इटली से फ्रांस तक साइक्लोन हैरी ने मचाई तबाही बाढ़ और समुद्री लहरों से हुआ भारी नुकसान

रोम, एजेंसी

तूफान हैरीने इस हफ्ते भूमध्यसागरीय द्वीप सिसिली में भारी तबाही मचाई। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में गंभीर बाढ़ आ गई। वहीं, समुद्र में उठी ऊंची और तेज लहरों ने तटीय बुनियादी ढांचे को भीषण नुकसान पहुंचाया है। तूफान हैरी के कारण भूमध्य सागर के किनारे भयंकर बाढ़ आई। इससे सड़कें नष्ट हो गईं और तटवर्ती इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा। इटली, माल्टा, स्पेन और फ्रांस में भी रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। भारी बारिश और समुद्री लहरों के कारण माल्टा, इटली, स्पेन और फ्रांस में तटीय क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा और पूरे भूमध्य सागर में यात्रा बाधित हुई।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई वीडियो में बाढ़ से हुए नुकसान को दिखाया गया है। तटीय क्षेत्रों में आई बाढ़ के कारण कई सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। तूफान के क्षेत्र से गुजरने के दौरान आपातकालीन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया था।

माल्टा में सुबह-सुबह गिरे हुए पेड़, क्षतिग्रस्त इमारतें और जलमग्न सड़कें देखीं गईं। मार्सस्काला, स्लीमा और बिरजेबुगा जैसे तटीय शहर तेज हवाओं और उफनती समुद्री लहरों से बुरी तरह प्रभावित हुए।इटली के लिपारी द्वीप पर समुद्र तट पर विशाल लहरें टकराईं। इसके कारण नौका सेवा बाधित हुई।

मेट्रो एंकर

24 घंटे में टिकटें खत्म, यात्रियों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया

रेलवे की बंपर कमाई, वंदे भारत स्लीपर पहली दौड़ में ही हाउसफुल

कोलकाता, एजेंसी

असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पहली व्यावसायिक यात्रा को यात्रियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस ट्रेन के सभी श्रेणियों की टिकट बुकिंग शुरू होने के बाद 24 घंटे से कम समय में ही बिक गई। रेलवे ने बताया कि आज कामख्या से चलने वाली वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी में यात्रा के लिए पीआरएस और अन्य साइटों के माध्यम से टिकट बुकिंग शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर सभी सीटें बुक हो गईं। सीटों की इतनी जल्दी बुकिंग होना यात्रियों की उस उत्सुकता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

गौरतलब है कि अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित देश की पहली वंदे भारत शयनयान को 17 जनवरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। रेलवे के अनुसार, यह रेलगाड़ी 22 जनवरी से कामाख्या से और 23 जनवरी से हावड़ा से अपनी पहली व्यावसायिक यात्रा शुरू करेगी। एजेंसी वार्ता की रिपोर्ट के अनुसार, इस नई रेल सेवा के लिए टिकट बुकिंग 19 जनवरी को सुबह 8:00 बजे शुरू हुई और 24 घंटे से भी कम समय में सभी श्रेणियों के टिकट पूरी तरह बिक गए।कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीवर एक्सप्रेस से पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच यातायात में काफी सुधार होने की उम्मीद है। यह ट्रेन आधुनिक सुविधाएं, बेहतर यात्रा समय और विश्व स्तरीय रात्रिकालीन यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

टिकट के लिए कड़े नियम

वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और अमृत भारत 2 ट्रेनों के यात्री यदि निर्धारित प्रस्थान समय से आठ घंटे से पहले, अपने 'कंफर्म' टिकट रद्द करते हैं तो एक भी पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेल मंत्रालय द्वारा 16 जनवरी को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, इन ट्रेनों के टिकट रद्द करने का शुल्क किराये का 25 प्रतिशत होगा, बशर्ते कि 'कंफर्म' टिकट 72 घंटे से पहले रद्द किए जाएं।मंत्रालय ने रेल यात्री (टिकट रद्द करना और किराया वापसी) नियम, 2015 में संशोधन किया है और वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के साथ-साथ अमृत भारत 2 ट्रेनों के लिए सख्त नियमों को अधिसूचित किया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ लंदन में उठी आवाज

लंदन। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय के लोगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ लंदन में आवाज उठी है। ब्रिटिश हिंदू संगठनों और बांग्लादेशी प्रवासी समूहों ने लंदन के ऐतिहासिक पार्लियामेंट स्क्वायर के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को शाम के समय हुआ, जिसमें ब्रिटिश सरकार से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर दबाव डालने की मांग की गई। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि बांग्लादेश की सरकार निर्दोष लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को रोकने के ठोस कदम उठाए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564